महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 208 | उज्जैन, बुधवार 7 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

मतभेद बारिश जैसे होने चाहिये, जो बरस कर खत्म हो जाये, पर प्रेम और विश्वास हवा जैसा होना चाहिये,जो दिखाई न दे पर हमेशा साथ रहे.

बुरहानपुर जिले की सिंचाई परियोजनाओं के लिए 2,598 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति

पीएम जनमन योजना की निरंतरता के लिए 795 करोड़ 45 लाख रुपये की स्वीकृति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा बुरहानपुर जिले की खकनार तहसील की झिरमिटी मध्यम सिंचाई परियोजना लागत 922 करोड़ 91 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। परियोजना से खकनार तहसील के 42 ग्रामों की 17 हजार 700 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई उपलब्ध होगी, जिससे 11 हजार 800 कृषक परिवार लाभांवित होंगे।

मंत्रि-परिषद द्वारा बुरहानपुर जिले की नेपानगर तहसील की नावथा वृहद सिंचाई परियोजना लागत 1,676 करोड़ 6 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। इस परियोजना से खकनार तहसील के 90 ग्रामों की 34 हजार 100 हैक्टेयर भूमि में सिंचाई उपलब्ध होगी और 22 हजार 600 कृषक परिवारों को लाभ मिलना अनुमानित है।

पीएम जनमन योजना की निरंतरता की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) योजना की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2028 तक निरंतरता की स्वीकृति प्रदान की गई। योजना में अनुमानित व्यय 795 करोड़ 45 लाख रुपये होगा। इसके तहत 1,039 किमी सड़क का निर्माण एवं 112 पुल निर्माण किया जायेगा। यह योजना 22 जिलों में निवासकरने वाली 3 विशेष जनजाति बैगा, भारिया एवं सहरिया के लिए लागू है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की निरंतरता की स्वीकृति- मंत्रि- परिषद द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना को 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतरता की स्वीकृति प्रदान की गई। योजनांतर्गत अनुमानित व्यय 17,196 करोड़ 21 लाख रुपये होगा। इसके तहत 20 हजार किमी सड़क और 1200 पुल का निर्माण किया जायेगा।

ग्रामीण सड़कों का नवीनीकरण एवं उन्नयन की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अंतर्गत निर्मित सड़कों का नवीनीकरण एवं उन्नयन के लिए 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरंतरता की स्वीकृति प्रदान की गई। योजनांतर्गत अनुमानित व्यय 10 हजार 196 करोड़ 42 लाख रुपये है। योजना में 88 हजार 517 किमी मार्गों का नवीनीकरण एवं उन्नयन किया जाएगा।

सिंचाई परियोजनाओं को नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड के माध्यम से वित्त पोषित करने की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत सिंचाई परियोजनाओं को त्वरित क्रियान्वयन के लिए नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड के माध्यम से वित्त पोषित करने की स्वीकृति प्रदान की गयी।

स्वीकृति अनुसार नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा आरंभ की गई वे परियोजनाएँ जिनका निर्माण कार्य नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तीय व्यवस्था कर पूर्ण कराया जा रहा हैं। उसका सम्पूर्ण स्वामित्व नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कंपनी लिमिटेड का होगा। इन परियोजनाओं में राज्य शासन द्वारा बजट प्रावधान के माध्यम से व्यय की गई राशि के समतुल्य अंश पूजी कंपनी द्वारा राज्य शासन को जारी किए जाएंगे। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने पर प्राप्त राजस्व, कंपनी की आय के रूप में ग्रहण किया जाएगा। कंपनी द्वारा वर्तमान में 2 परियोजनाएं वित्त पोषित की जा रही है, जिसमें नर्मदा क्षिप्रा बहुउद्देशीय परियोजना लागत 2,489 करोड़ 65 लाख रुपये और बदनावर माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन परियोजना लागत 1,520 करोड़ 92 लाख रूपये शामिल है।

बैठक में मंत्रि-परिषद के सदस्यों और उनके भारसाधक सचिवों को ई-कैबिनेट के लिए टैबलेट प्रदान किये गये एवं प्रशिक्षण दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

बंगाल DGP नियुक्ति पर रार, UPSC ने ममता सरकार की लौटाई लिस्ट; अब सुप्रीम कोर्ट ही सहारा

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले राज्य की पुलिस व्यवस्था पर एक गंभीर प्रशासनिक और कानूनी संकट छा गया है। राज्य के अगले पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति को लेकर संघ लोक सेवा आयोग और राज्य सरकार के बीच विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल, UPSC ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा इस पद के लिए प्रस्तावित नामों की सूची पर कार्रवाई करने से इनकार कर दिया है और प्रस्ताव वापस लौटाते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह तुरंत सर्वोच्च न्यायालय से संपर्क करें। 31 दिसंबर 2025 को आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य सरकार ने डीजीपी नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने में असामान्य और अस्पष्ट विलंब किया है, जो सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन है। इन परिस्थितियों को देखते हुए यूपीएससी ने कहा कि वह आगे बढ़ने की स्थिति में नहीं है और राज्य को उचित निर्देशों के लिए सर्वोच्च न्यायालय से संपर्क करने की सलाह दी। यूपीएससी के पत्र में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में डीजीपी का पद 28 दिसंबर 2023 को रिक्त माना गया था। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, राज्य सरकार को मौजूदा डीजीपी की सेवानिवृत्ति से कम से कम तीन महीने पहले यूपीएससी को योग्य अधिकारियों का एक पैनल भेजना आवश्यक था। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का हवाला देते हुए पत्र में कहा गया है कि सभी राज्य पुलिस महानिदेशक की सेवानिवृत्ति की तिथि से कम से कम तीन महीने पहले अपेक्षित रिक्ति को ध्यान में रखते हुए संघ लोक सेवा आयोग को अपने प्रस्ताव भेजेंगे। इसके अनुसार, पश्चिम बंगाल सरकार को सितंबर 2023 तक अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर देना चाहिए था। हालांकि, यूपीएससी ने बताया कि राज्य सरकार समय सीमा का पालन करने में विफल रही और उसने लगभग डेढ़ साल बाद, जुलाई 2025 में अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस देरी के बावजूद आयोग ने 30 अक्टूबर 2025 को पैनल में शामिल करने वाली समिति की बैठक बुलाई। हालांकि, विलंबित प्रस्तुति के कारण समिति के सदस्यों के बीच रिक्ति की वास्तविक तिथि और पैनल में शामिल करने की प्रक्रिया की कानूनी वैधता को लेकर गंभीर मतभेद उत्पन्न हो गए। इस अनिश्चितता का सामना करते हुए यूपीएससी ने भारत के अटॉर्नी जनरल से कानूनी राय मांगी। इसके बाद अटॉर्नी जनरल ने जवाब दिया कि मुझे ऐसा कोई प्रावधान नहीं मिला जो यूपीएससी को इस तरह की अत्यधिक देरी को माफ करने और यह मानकर आगे बढ़ने का अधिकार देता हो कि कोई अनियमितता हुई ही नहीं है, और डीजीपी के एक पैनल की सिफारिश कर दे।

भारत में जहां-जहां भी गजनी का नाम आता है, उसे हटा देना चाहिए: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

नई दिल्ली/ जीएनएस। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने सोमनाथ मंदिर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत में जहां-जहां भी गजनी का नाम आता है, उसे हटा देना चाहिए। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, प्रधानमंत्री जी ने जो ट्वीट पोस्ट किया है, वह हजार वर्ष पहले की घटना के बारे में है, जिसमें सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण होने का दर्द व्यक्त किया गया है। एक व्यक्ति था महमूद गजनवी, जो अपनी सेना के छोटे-से दल के साथ आया और मंदिर को क्षति पहुंचाई। वहां पूजा करने वाले पुजारियों को उसने नुकसान पहुंचाया, भक्तों को चोट पहुंचाई। उसने यह सोचकर नुकसान पहुंचाने की कोशिश की कि अगर मंदिर और मूर्तियां नष्ट कर दी जाएं तो सोमनाथ नष्ट हो जाएगा। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आगे कहा कि यह प्रयास हजार वर्ष पहले किया गया था। उन्होंने कहा, %पीएम मोदी की ओर से पोस्ट किया गया ट्वीट यह संदेश देना चाहता है कि तुम मंदिर तोड़ सकते हो, मूर्तियां तोड़ सकते हो, लेकिन सोमनाथ को नष्ट नहीं कर सकते। हजार वर्ष बीत गए, सोमनाथ आज भी खड़ा है। इसलिए भविष्य में जो लोग ऐसे प्रयास करेंगे, उन्हें फिर कोशिश नहीं करनी चाहिए। अगर यही कहना चाहते हैं तो यह स्वागतयोग्य कदम है।

बंगाल के संदेशखाली में पुलिस पर हुआ था हमला, मुख्य आरोपी TMC कार्यकर्ता मूसा मोल्ला गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। पुलिस ने उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में पुलिस पर हुए हमले के मुख्य आरोपित मूसा मोल्ला को गिरफ्तार कर लिया है। उसे मंगलवार को नैजाट पुलिस थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। वह इलाके में तृणमूल कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता है। इस घटना में मूसा से जुड़े अब तक कुल 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मूसा पर ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा करने का आरोप था। इसी आरोप के आधार पर अदालत ने उस जमीन पर धारा 144 लागू कर दी थी। ज़मीन पर किसी भी तरह का काम करना प्रतिबंधित था। आरोप है कि मूसा ने गत शुक्रवार रात को इस प्रतिबंध का उल्लंघन करते हुए उस ज़मीन पर दीवार बनाना शुरू कर दिया।

कैसे किया था पुलिस पर हमला- सूचना मिलते ही राजबाड़ी चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची। बाद में पुलिस मूसा के घर भी गई और उसे पुलिस स्टेशन चलने को कहा। इसके बाद मूसा ने अपने समर्थकों को बुलाया और पुलिस पर हमला कर दिया।

इस घटना में चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को इस घटना में नौ लोगों को गिरफ्तार किया। रविवार को तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन तीनों में मूसा का भाई मुर्तजा मोल्ला भी शामिल है।

केरल के पूर्व मंत्री वीके इब्राहिम कुंजू का निधन, 73 वर्ष की उम्र में ली आखिरी सांस; फेफड़ों के कैंसर से थे पीड़ित

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरल के पूर्व PWD मंत्री और मुस्लिम लीग के वरिष्ठ नेता वीके इब्राहिम कुंजू का कोच्ची में निधन हो गया। 73 वर्षीय कुंजू ने एर्नाकुलम के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांसे ली। वह पिछले काफी समय से बीमार चल रहे थे और उनके फेफड़ों के कैंसर का इलाज चल रहा था।

इब्राहिम कुंजू चार बार विधायक और दो बार मंत्री रह चुके थे। मध्य केरल में मुस्लिम लीग के जाने-पहचाने चेहरा कुंजू ने राज्य सरकार में उद्योग और लोक निर्माणविभाग में मंत्री के रूप में भी काम किया है। उन्होंने 2001 और 2006 में मट्टनचेरी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था।

2020 में हुई थी कुंजू की गिरफ्तारी- नवंबर 2020 में उन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। एक बंद पड़े पुल के निर्माण में भ्राष्टाचार के आरोप में कुंजू के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। बता दें, वीके इब्राहिम कुंजू साल 2001, 2006, 2011 और 2016 के चुनावों में केरल विधानसभा के लिए चुने गए थे।

4 जनवरी 2005 को मुस्लिम लीग के नेता और तत्कालीन उद्योग मंत्री पीके कुन्हालीकुट्टी के इस्तीफे के बाद वीके इब्राहिम कुंजू को यूडीएफ मंत्रीमंडल में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया था। इसके बाद उन्होंने 6 जनवरी 2005 को उद्योग और सामाजिक मंत्री का पद संभाला और 23 मई 2011 से 20 मई 2016 तक लोक निर्माण मंत्री भी रहें।

फतेहपुर में बंद पड़ी फैक्ट्री की दीवार ढहने से एक मजदूर की मौत, चार लोग गंभीर रूप से घायल

फतेहपुर/ जीएनएस। औद्योगिक क्षेत्र सौंरा में बंद पड़ी शारदा स्टील फैक्ट्री की दीवाल मंगलवार को गिर जाने से खोदाई कर रहे पांच मजदूर दब गए। भगदड़ के बीच साथी मजदूरों ने मलबा हटाकर सभी घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा जहां एक मजदूर की मौत हो गई।

जबकि चार का उपचार चल रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि बिना सुरक्षा उपकरण के मजदूर नाले के भीतर काम कर रहे थे, यदि हेलमेट होता तो दिवंगत मजदूर की जान बच सकती थी।

मलवां थाने के सिग्मा कास्टिंग कंपनी के सामने यूपीएसआइडीसी के नाला निर्माण को खोदाई का काम चल रहा है।इसी जगह पर बंद फैक्ट्री की जर्जर दीवाल ढह गई जिससे लखीमपुर खीरी जिले के खीरी थाने के भौतरा भानपुर निवासी 45 वर्षीय मजदूर राजकुमार की मौत हो गई और कुलदीप, संदीप कुमार निवासी नंदनीया थाना हरगांव जिला सीतापुर, कमल, कुन्नू, निवासी नागेपुरवा थाना हरगांव जख्मी हो गए।

लखनऊ कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठेकेदार सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि घायलों की हालत खतरे से बाहर है, सभी का उपचार कराया जा रहा है। एसओ राजकिशोर ने बताया कि जर्जर दीवाल ढह जाने से एक मजदूर की दबकर मौत हुई है, यदि तहरीर आई तो जांच बाद मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बेंगलुरु की इमारतों पर लटकती है इस वायरल महिला की तस्वीर, पहचान ढूंढने में लग गया सोशल मीडिया मगर...

नई दिल्ली/ जीएनएस। बेंगलुरु और उससे बाहर के इलाकों में कंस्ट्रक्शन साइट पर एक महिला की तस्वीर लटकी हुई दिखाई देती है। भले ही अभी तक किसी ने इस पर ध्यान न दिया हो, लेकिन एक यूजर की पोस्ट के बाद यह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। यह पोस्ट बेंगलुरु में रहने वाली एक मराठी महिला ने की है।

यूजर ने बताया कि जब भी वह राज्य में कहीं यात्रा करती थी, तो उसे साड़ी पहने एक महिला की तस्वीर दिखाई पड़ती थी। उसकी आंखों में काजल लगा हुआ होता था और यह तस्वीर इमारतों से लटकी रहती थी। यूजर ने इस पोस्टर में दिख रही महिला की पहचान पता करने की कोशिश की, लेकिन उसे कुछ हासिल नहीं हुआ।

पोस्ट पर आने लगे कमेंट- इसके बाद उनसे इसके बारे में सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया। यूजर ने लिखा, मुझे यह महिला कर्नाटक में, बेंगलुरु के बाहर, जहाँ भी कंस्ट्रक्शन हो रहा है, हर जगह दिखती है। मैंने इसके बारे में जानने के लिए गूगल लेंस का इस्तेमाल किया, लेकिन कोई डिटेल नहीं मिली।

5 जनवरी को की गई यह पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई। इसे अब तक 32 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। एक यूजर ने लिखा, यह कंस्ट्रक्शन साइट के लिए नजरबट्टू है। वहीं दूसरे ने लिखा कि इसे कंस्ट्रक्शन साइट्स पर बुरी नजर से बचाने के लिए लटकाया जाता है।

बढ़ने वाली है आपकी सैलरी? सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को दिया आदेश, 4 महीने में लेना होगा फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार और कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ को 4 महीने के अंदर वेतन सीमा में संशोधन करने के लिए फैसला लेने का निर्देश दिया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि वेतन सीमा में ठहराव के कारण कई कर्मचारी एपीएफओ के दायरे से बाहर हो गए हैं। यह याचिका डॉ. नवीन प्रकाश नौटियाल नामक शख्स ने दाखिल की थी। इस याचिका पर जस्टिस जेके माहेश्वरी और अतुल एस चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को आदेश की एक कॉपी के साथ एक विस्तृत प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करने के लिए दो सप्ताह का वक्त भी दिया। बता दें कि केंद्र सरकार ने न्यूनतम वेतन की सीमा को 15 हजार रुपये प्रति महीने तय किया है। सितंबर 2014 से ही यह सीमा स्थिर बनी हुई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि 15 हजार रुपये प्रति महीने की वेतन सीमा मनमानी और अतार्किक है। याचिकाकर्ता ने कहा कि इसका मुद्रास्फीति, न्यूनतम मजदूरी या प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि से कोई संबंध नहीं है।

याचिका में कहा गया है कि प्रति माह 15,000 रुपये से थोड़ा अधिक कमाने वाले कर्मचारी भी EPF कवरेज से बाहर हो गए हैं।

नए साल पर मंदिर परिसर में अश्लील नृत्य का आरोप, श्रीशैलम से जुड़ा है मामला; केस दर्ज

नई दिल्ली/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश पुलिस ने श्रीशैलम मल्लिकार्जुन मंदिर के अन्नासत्र के पांच सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह मामला एक वीडियो सामने आने के बाद दर्ज किया गया है। इस वीडियो में यह लोग मंदिर परिसर में एक फिल्मी गाने पर डांस कर रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ऐक्शन की मांग हो रही थी। मल्लिकार्जुन अन्नासत्र श्रीशैलम मंदिर से जुड़ा हुआ है, यहां पर भक्तों को मुफ्त में खाना खिलाया जाता है। पुलिस ने कहा कि यह मामला नए साल के उत्सव से जुड़ा हुआ है। इसके बाद भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक मुख्य सुरक्षा अधिकारी बाबू ने मामले को लेकर पुलिस में केस दर्ज कराया था। इसके बाद अन्नसत्रा कर्मचारियों के खिलाफ मंदिर नियमों और एंडॉवमेंट्स एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन करने के आरोप में जांच शुरू की गई। मंदिर प्राधिकरण के मुताबिक आरोपी कर्मचारियों ने पवित्र तीर्थ स्थल के परिसर में अश्लील नृत्य किए, जिससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचा। श्रीशैलम देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी श्रीनिवास राव ने कहा कि मंदिर या इसके संबंधित परिसर के अंदर नाचना या रील रिकॉर्ड करना सख्त मना है।

सिरप हो या पानी, ज़हर 'सिस्टम' में है: इंदौर जल-प्रदूषण कांड पर उमंग सिंघार का भाजपा सरकार पर तीखा हमला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भगीरथपुरा वार्ड क्रमांक-11 में पेयजल में सीवेज मिलने से उपजे भीषण स्वास्थ्य संकट को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने इसे एक आकस्मिक दुर्घटना नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही प्रशासनिक लापरवाही, देरी और संवेदनहीन शासन का परिणाम बताया। दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह से शुरू हुई इस त्रासदी में अब तक 16 से अधिक नागरिकों की मौत, सैकड़ों लोगों के गंभीर रूप से बीमार होने और हजारों के प्रभावित होने की बात सामने आई है।

उमंग सिंघार ने कहा कि इंदौर जैसे शहर, जिसे बार-बार देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता है, वहाँ आम नागरिकों को नल से ज़हर मिला पानी पीने को मजबूर होना पड़ा। भगीरथपुरा क्षेत्र में मुख्य पेयजल पाइपलाइन के ऊपर बिना उचित सेप्टिक व्यवस्था के शौचालय बना हुआ था। पाइपलाइन में लीकेज के कारण सीवेज सीधे घरों तक पहुँचा। स्थानीय लोगों द्वारा महीनों से गंदे पानी की शिकायतें की जाती रहीं, लेकिन प्रशासन ने तब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जब तक निर्दोष जानें नहीं चली गईं। मृतकों में छह माह का मासूम बच्चा अव्यान साहू भी शामिल है, जिसने पूरे शहर को झकझोर दिया।

नेता प्रतिपक्ष ने सवाल उठाया कि यदि समय पर निर्णयों पर अमल होता, तो यह त्रासदी टाली जा सकती थी। वर्ष 2022 में नई पेयजल पाइपलाइन का निर्णय लिया गया, लेकिन टेंडर प्रक्रिया और उसके बाद की कार्रवाई ढाई साल तक ठंडी पड़ी रही। जुलाई 2025 में टेंडर जारी होने के बावजूद महीनों तक कोई काम शुरू नहीं हुआ। सिंघार ने पूछा कि इस देरी की जिम्मेदारी कौन लेगा और क्या सिर्फ निचले स्तर के कर्मचारियों को निलंबित कर सरकार अपनी जवाबदेही से बच सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारियों का निलंबन असल में जवाबदेही नहीं, बल्कि डैमेज कंट्रोल है। बड़े निर्णय लेने वाले अधिकारी और राजनीतिक पदाधिकारी अब भी सुरक्षित हैं। यह ठीक वैसा ही है जैसे आग लगाने वाला बच जाए और माचिस पकड़ने वाले को सज़ा दे दी जाए। सिंघार ने यह भी कहा कि इंदौर ने भाजपा को विधानसभा, संसद और नगर निगम में पूरा जनादेश दिया, लेकिन बदले में शहर को उपेक्षा, अव्यवस्था और असंवेदनशील शासन मिला।

मुख्यमंत्री के आचरण पर भी उन्होंने सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि जब इंदौर में लोग अपनों को खोकर शोक में डूबे थे, तब मुख्यमंत्री उज्जैन जिले के एक कार्यक्रम में मंच से मनोरंजन भरी बातें कर रहे थे। जनता के दुख के समय इस तरह का व्यवहार एक जिम्मेदार मुख्यमंत्री को शोभा नहीं देता, विशेषकर तब जब वे इंदौर के प्रभारी मंत्री भी हों।

स्वास्थ्य संकट के दौरान पारदर्शिता के अभाव पर भी नेता प्रतिपक्ष ने नाराज़गी जताई। अब तक नियमित स्वास्थ्य बुलेटिन जारी नहीं किए गए और अदालत में प्रस्तुत रिपोर्टों में भी वास्तविक आंकड़ों को कम दिखाने की कोशिश की गई। उन्होंने मांग की कि हर 12 घंटे में स्पष्ट और सत्य स्वास्थ्य बुलेटिन जारी किया जाए, ताकि जनता को वास्तविक स्थिति की जानकारी मिल सके।

उमंग सिंघार ने कहा कि ?2 लाख की सहायता किसी की जान की कीमत नहीं हो सकती। यह मुआवज़ा नहीं, बल्कि सरकार की जिम्मेदारी से बचने का प्रयास है। पीड़ित परिवारों को कम से कम ?1 करोड़ का मुआवज़ा मिलना चाहिए। अधिकांश प्रभावित परिवार गरीब और मजदूर वर्ग से हैं, जो बीमारी के कारण अपनी रोज़ी-रोटी भी खो चुके हैं। सवाल यह है कि क्या सरकार उनकी मजदूरी और जीवन की क्षति की भरपाई करेगी।

अपने बयान के अंत में उन्होंने कहा कि इंदौर जल-प्रदूषण कांड भाजपा सरकार की लापरवाही, देरी और संवेदनहीन शासन का जीता-जागता उदाहरण है। जब तक दोषियों पर ठोस कार्रवाई, समयबद्ध सुधार और पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं होती, तब तक यह संकट समाप्त नहीं माना जा सकता। विपक्ष पीड़ित नागरिकों के अधिकारों की लड़ाई पूरी ताकत से जारी रखेगा।

श्री खजराना गणेश मंदिर में शुरू हुआ 6 दिवसीय तिल चतुर्थी मेला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर में 6 दिवसीय तिल चतुर्थी मेला प्रारंभ हुआ। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने श्री खजराना गणेश मंदिर में पूजन-अर्चना के साथ इस मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल सहित अन्य अधिकारी भी विशेष रूप से मौजूद थे। भगवान श्री गणेशजी को तिल-गुड़ के सवा लाख लड्डूओं का भोग लगाया गया। साथ ही श्रीगणेश का स्वर्ण मुकुट तथा आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया है। मंदिर को आकर्षक फूलों से फूल बंगला के साथ सजाया गया है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने इस मौके पर ध्वजा पूजन करने के साथ ही 6 दिवसीय तिल चतुर्थी मेले की भी शुरुआत की। मंदिर के वरिष्ठ पुजारियों ने पूजा-अर्चना करवाई। इस अवसर पर भक्त मंडल के सदस्य तथा अन्य श्रद्धालु भी उपस्थित थे।

भागीरथपुरा में फैली बीमारी को पहले माना महामारी, फिर बताया प्रकोप

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा में एक हजार से अधिक लोग दूषित पेयजल के कारण बीमार हुए है और अब तक सत्रह लोगों की मौत हो चुकी है। प्रशासन ने पहले भागीरथपुरा क्षेत्र को महामारी ग्रस्त घोषित किया। फिर इसे प्रकोप माना।

स्वास्थ्य विभाग ने बस्ती को प्रकोप से मुक्त करने के लिए 200 टीमें मैदान में उतारी है, जो अलग-अलग टेस्ट करेगी और बस्ती में डायरिया के मरीजों की संख्या शून्य करेगी, अभी भी बस्ती से नए मरीजों के आने का सिलसिला जारी है। सरकारी रिकार्ड में तो ज्यादातर रोगियों को डायरिया ग्रस्त माना जा रहा है, लेकिन बस्ती में कुछ मरीज हैजे के भी मिले है। गंदे पानी ने कई पीड़ितों के किडनी और लीवर को भी खराब किया है।

भागीरथपुरा में बीमारी से हुई मौतों के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भागीरथपुरा और आसपास की तीन बस्तियों में हिन्दू सम्मेलन निरस्त कर दिया है। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता इस विषम परिस्थित में पीड़ित परिवारों के साथ संपूर्ण संवेदना के साथ खड़े है और सेवा व सहायता प्रदान कर रहे हैं।

भागीरथपुरा क्षेत्र की तीन बस्तियों में स्थानीय समाज व संगठनों द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर हिन्दू सम्मेलन आयोजित करने की योजना थी।जिसे वर्तमान हालातों के कारण निरस्त किया गया है।

इंदौर एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी, बेहोश हुई महिला यात्री, डायरिया निकला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर विमानतल पर लगातार दूसरे दिन मेडिकल इमरजेंसी घोषित की गई। इंदौर से दिल्ली जा रही एक महिला यात्री एयरपोर्ट पर अचानक बेहोश हो गई, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

चेक-इन के बाद हुई तबीयत खराब

विमानतल से मिली जानकारी के अनुसार इंडिगो एयरलाइंस की दोपहर 1.30 बजे इंदौर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट 6ई-6609 से यात्रा करने के लिए 66 वर्षीय महिला यात्री परवीन सिंगला पति विनोद सिंह एयरपोर्ट पहुंची थीं। वे चेक-इन प्रक्रिया पूरी कर सिक्योरिटी होल्ड एरिया में पहुंच चुकी थीं।

बोर्डिंग से पहले हुई बेहोश- बोर्डिंग से कुछ समय पहले ही सिक्योरिटी होल्ड एरिया में महिला यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश होकर गिर पड़ीं। घटना की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी घोषित की गई।

एयरपोर्ट के मेडिकल इमरजेंसी रूम से पहुंचे डॉक्टर ने महिला यात्री की जांच की। जांच में उनकी ब्लड शुगर कम पाई गई। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें एयरपोर्ट की एंबुलेंस से नजदीकी अस्पताल भेजा गया।

हॉस्पिटल में जारी है उपचार- अस्पताल में इलाज कर रहे डॉक्टरों के अनुसार महिला यात्री पंजाब के बरनाला की रहने वाली हैं और दिल्ली के रास्ते पंजाब जा रही थीं। उपचार के बाद वे होश में आ गई हैं, लेकिन फिलहाल उन्हें अस्पताल में भर्ती रखा गया है। डॉक्टरों ने बताया कि उनका डायरिया का इलाज भी जारी है और उनकी हालत में पहले से सुधार है।

शातिर ब्राउन शुगर सप्लायर गिरफ्तार, एरोड्रम पुलिस की बड़ी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराधों पर नियंत्रण और अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना एरोड्रम पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है, जहाँ एक शातिर ब्राउन शुगर सप्लायर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त आरोपियों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त जोन-1 श्री कृष्ण लालचंदानी, प्रभारी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-1 श्री दीशेष अग्रवाल तथा सहायक पुलिस आयुक्त मल्हारगंज श्री विवेक चौहान के मार्गदर्शन में थाना एरोड्रम प्रभारी निरीक्षक तरुण भाटी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

दिनांक 5 जनवरी 2026 की रात्रि में थाना एरोड्रम पुलिस टीम नील चौराहा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार युवक पुलिस को देखकर घबराया और भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से 4.80 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान सचिन आर्य, उम्र 24 वर्ष, निवासी राधा गोविंद का बगीचा, रावजी बाजार, इंदौर के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध थाना एरोड्रम में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस के अनुसार बरामद ब्राउन शुगर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 50 हजार रुपये है।

प्रारंभिक पूछताछ में यह सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से एरोड्रम क्षेत्र में ब्राउन शुगर की सप्लाई कर रहा था। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी दो आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है, ताकि इससे जुड़े अन्य आरोपियों की जानकारी प्राप्त की जा सके।

इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी एरोड्रम निरीक्षक तरुण भाटी, उप निरीक्षक राम शाक्य, प्रधान आरक्षक विलियम सिंह, आरक्षक जोगेश लश्करी, जोगेंद्र एवं मनीष दीक्षित की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

राऊ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कार से अवैध शराब की तस्करी करते तस्कर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में अवैध शराब की तस्करी और इसके अवैध व्यापार में लिप्त अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में पुलिस थाना राऊ ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए कार से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन कर रहे एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 25 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब और तस्करी में प्रयुक्त कार को जप्त किया है।

पुलिस आयुक्त इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशों के तहत पुलिस उपायुक्त श्री कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन में, प्रभारी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जोन-01) श्री दीशेष अग्रवाल तथा सहायक पुलिस आयुक्त राजेंद्रनगर श्रीमती निधि सक्सेना के दिशा-निर्देशन में थाना राऊ पुलिस द्वारा अवैध शराब के क्रय-विक्रय और तस्करी में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध लगातार गोपनीय सूचना संकलन कर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

दिनांक 5 जनवरी 2026 की रात्रि में थाना राऊ पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग पॉइंट पर एक संदिग्ध मारुति सियाज कार क्रमांक MP09 CV 8675 को रोका गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसके भीतर से कुल 25 पेटी अंग्रेजी शराब (गोवा व्हिस्की) बरामद हुई। पूछताछ के दौरान चालक द्वारा शराब परिवहन से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या अनुमति प्रस्तुत नहीं की गई, जिस पर पुलिस ने उक्त शराब को अवैध मानते हुए जप्त कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान धनराज राठौर, उम्र 48 वर्ष, निवासी खेड़ागांव, सांगवी सिरपुर, जिला धूलिया (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बरामद की गई 25 पेटी अंग्रेजी शराब की अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 60 हजार रुपये है, जबकि तस्करी में प्रयुक्त मारुति सियाज कार की कीमत करीब 8 लाख रुपये आंकी गई है। इस प्रकार कुल जप्त मशरूका की कीमत लगभग 9 लाख 60 हजार रुपये है।

थाना राऊ पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से अवैध शराब की सप्लाई के स्रोत और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में विस्तृत पूछताछ कर रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

खजराना में तिल चतुर्थी मेला, सवा लाख लड्डुओं का भोग लगेगा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर में 6 से 8 जनवरी तक तीन दिवसीय पारंपरिक तिल चतुर्थी मेला आयोजित किया जाएगा। मेले को लेकर मंदिर परिसर में धार्मिक और सांस्कृतिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सवा लाख तिल-गुड़ लड्डुओं का भोग मेले के पहले दिन कल मंगलवार को सुबह भगवान गणेश को तिल और गुड़ से बने सवा लाख लड्डुओं का भोग अर्पित किया जाएगा। भोग के प्रसाद वितरण का शुभारंभ कलेक्टर एवं मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शिवम वर्मा और निगमायुक्त द्वारा किया जाएगा।

दस भट्टियों पर तैयार हो रहे लड्डू- भक्त मंडल के अरविन्द बागड़ी ने बताया कि मंदिर के पुजारी पं. अशोक भट्ट, पं. सुमित भट्ट और पं. पुनीत भट्ट के सान्निध्य में दस भट्टियों पर लड्डुओं का निर्माण किया जा रहा है। 7 जनवरी को गणेशजी को गोंद के लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा, जबकि 8 जनवरी को उड़द के लड्डुओं का भोग अर्पित किया जाएगा।

ध्वजा पूजन से होगा मेले का शुभारंभ- तिल चतुर्थी मेले का शुभारंभ 6 जनवरी को सुबह 10 बजे ध्वजा पूजन के साथ होगा। इस अवसर पर भगवान गणेश को आकर्षक फूल बंगले में विराजमान किया जाएगा। मंदिर को विशेष विद्युत सज्जा से सजाया गया है।

समाधान योजना में 3.34 लाख को मिली छूट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मप्र ऊर्जा विभाग द्वारा लागू बकाया बिजली बिल समाधान योजना का मालवा निमाड़ में उपभोक्ताओं द्वारा लाभ लिया जा रहा है। अब तक योजना के तहत 3 लाख 34 हजार से ज्यादा बकायादार उपभोक्ताओं ने लाभ लिया है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने योजना से जुड़ने वाले इन उपभोक्ताओं को मूल बिजली बिल राशि के अलावा बिल में दर्ज सरचार्ज पर करीब पंद्रह करोड़ की छूट प्रदान की है। 31 जनवरी तक तीन माह या अधिक के बकाया बिल की मूल राशि पूरी जमा करने पर सरचार्ज पूरा माफ किया जाएगा। पात्रतानुसार बकाया राशि किश्तों में जमा करने का विकल्प चुनने पर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ कराया जा सकता है। योजना के लिए बिजली कंपनी के 434 जोन, वितरण केंद्रों के साथ ही वेबसाइट mpwz.co.in पर संपर्क कर रियायत लाभ लिया जा सकता है।

पतंगबाजी बिजली लाइनों से दूर करने का आह्वान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने उपभोक्ताओं, आमजनों से पतंगबाजी बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मर, पोल, ग्रिड से दूर करने का आह्वान किया हैं। पतंगें बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मर, ग्रिड क्षेत्र में उलझने से बिजली प्रदाय अवरूद्ध हो सकता है, हादसे का भी अंदेशा बना रहता है।

कलेक्टर ने भागीरथपुरा क्षेत्र का भ्रमण कर लिया स्थिति का जायजा

रिंग सर्वे, लाइन लीकेज सुधार एवं टैंकर से जल वितरण की सतत निगरानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने मंगलवार प्रातः भागीरथपुरा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त, बीट प्रभारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि रिंग सर्वे के तहत क्षेत्र में निरंतर कार्रवाई जारी है। प्रभावित क्षेत्रों से नियमित सैंपल कलेक्शन कर उनकी मॉनिटरिंग की जा रही है। नागरिकों को पानी उबालकर एवं छानकर पीने के लिए लगातार समझाइश दी जा रही है। साथ ही, क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से सतत स्वच्छ जल वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रभावित नागरिकों का समुचित उपचार निःशुल्क किया जा रहा है। इस कार्य में जिला प्रशासन, नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें समन्वय के साथ लगातार सक्रिय हैं।

निरीक्षण के दौरान पेयजल टैंकरों से हो रहे जल वितरण का अवलोकन किया गया तथा लाइन लीकेज सुधार कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए। नगर निगम द्वारा गठित 32 बीटों के माध्यम से भागीरथपुरा क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से में दूषित जल पर नियंत्रण, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति तथा व्यापक सफाई अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है। अधिकारियों को कार्यों में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी समस्या की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें।

मंत्रि-परिषद की बैठक में मंत्री-परिषद सदस्यों को मिले टैबलेट

ई-प्रशासन में नवाचार से प्रसन्न हुए मंत्रि-परिषद सदस्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में एक नए नवाचार करते हुए आज मंत्रि-परिषद की बैठक में मंत्रि-परिषद के सभी सदस्यों को टैबलेट वितरण किया। उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद से संबंधित संपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी। मंत्रालय में मंगलवार को हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में कैबिनेट के सदस्यों और मंत्रि-परिषद के भारसाधक सचिवों को टैबलेट प्रदाय करने की शुरूआत हुई। कैबिनेट के सदस्यों ने टैबलेट प्राप्त किए और प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैबिनेट सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत ई-कैबिनेट की पहल हुई है। ई-कैबिनेट एप्लीकेशन के संबंध में संबंधितों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह एप्लीकेशन आधुनिक तकनीक, पेपरलैस, सुरक्षित और ऐसी गोपनीय प्रणाली है, जिसे मंत्रि-परिषद सदस्य कभी भी और कहीं भी अपनी सुविधा के अनुसार अवलोकन कर सकते हैं। मुख्य रूप से मंत्रि-परिषद की कार्य सूची देखने, ई-कैबिनेट एप्लीकेशन द्वारा पूर्व की बैठकों में लिए गए निर्णयों का पालन-प्रतिवेदन देखने में सुविधा होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि पारदर्शिता और समय की बचत के लिए मंत्रि-परिषद सदस्य नई व्यवस्था का पूरा लाभ लेंगे।

लदूना तालाब स्थित सेवाकुंज परिसर से सीतामऊ साहित्य महोत्सव के द्वितीय संस्करण का हुआ भव्य आगाज

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। छोटी काशी के नाम से प्रसिद्ध सीतामऊ नगर में 29 से 31 जनवरी तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सीतामऊ साहित्य महोत्सव के द्वितीय संस्करण का आज लदूना तालाब स्थित सेवाकुंज परिसर से विधिवत एवं भव्य आगाज किया गया। इस अवसर पर 1000 आकाशदीप आकाश में उड़ाए गए तथा आकर्षक आतिशबाजी की गई, जिससे पूरा सेवाकुंज परिसर प्रकाशमय हो उठा। साहित्य महोत्सव के इस आगाज कार्यक्रम ने साहित्य, संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता का सशक्त संदेश दिया। अपनी समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध सीतामऊ नगर आगामी आयोजन में अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गरिमा का भव्य प्रदर्शन करेगा। मुख्य आयोजन 29, 30 एवं 31 जनवरी को सीतामऊ में आयोजित होगा, जिसमें साहित्य, कला, संस्कृति एवं दर्शन से जुड़ी देश की जानी-मानी हस्तियां सहभागिता करेंगी। तीन दिवसीय आयोजन के दौरान प्रतिदिन विभिन्न विधाओं से जुड़े रुचिकर और ज्ञानवर्धक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार, सीतामऊ एसडीएम श्री हरदीप सिंह डंग, एसडीएम श्रीमती शिवानी गर्ग, स्थानीय जनप्रतिनिधि, जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में आम नागरिक, विद्यार्थी एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। सीतामऊ साहित्य सम्मेलन के माध्यम से क्षेत्रवासियों को एक बार फिर सीतामऊ की ऐतिहासिक, भौगोलिक एवं सांस्कृतिक समृद्धता से परिचित कराया जाएगा। आमतौर पर महानगरों में आयोजित होने वाला यह साहित्यिक आयोजन दूसरी बार सीतामऊ जैसे ऐतिहासिक नगर में आयोजित किया जा रहा है, जिसे लेकर प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। क्षेत्र में उपलब्ध हस्तलिखित ग्रंथ, ताम्रपत्र एवं अन्य बहुमूल्य ऐतिहासिक धरोहरें शोध और अध्ययन का महत्वपूर्ण केंद्र रही हैं, जिनका उल्लेख एवं विमर्श इस महोत्सव में किया जाएगा। आयोजन के दौरान पूरे नगर को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है।

इंजीनियर कैथवास के समर्थन में नपा कर्मचारी आए, तालाबंदी कर प्रदर्शन किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर पालिका कार्यालय में इंजीनियर रोहित कैथवास और पार्षद पति विक्रम भैरवे के बीच हुई मारपीट घटना में जहां कोतवाली में पार्षद पति विक्रम भैरवे के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज हुआ, वही मंगलवार को इंजीनियर कैथवास के समर्थन में नपा कर्मचारी आए। कर्मचारियों ने नपा कार्यालय में तालाबंदी कर सड़क पर प्रदर्शन किया। बाद में एक ज्ञापन सीएमओ को सौंपा एवं घटना की कड़ी निंदा की।

कोतवाली पुलिस के अनुसार दिनांक 05.01.2025 को आवेदक नपा उपयंत्री रोहित कैथवास पिता छोटेलाल कैथवास उम्र 35 साल निवासी अभिनंदन कालोनी मदंसौर के द्वारा शासकीय कार्य बांधा उत्पन्न करने एवं मुझ शासकीय सेवक के साथ अश्लील गाली गलौच करने व मारपीट करने विषयक आवेदन पत्र प्राप्त हुआ। जिसका अवलोकन करते आवेदन पत्र से अपराध पंजीबद्ध किया गया। उपयंत्री रोहित कैथवास ने शिकायत में बताया कि वे नगर पालिका परिषद मंदसौर में उपयंत्री के पद कार्यरत हैं। सोमवार दोपहर मैं अपने नगर पालिका परिषद स्थित कार्यालय में ड्युटी पर था तभी कार्यालय में वार्ड नंबर 35 की पार्षद प्रतिभा बैरवे का पति विक्रम बैरवे आया व नगर पालिका अध्यक्ष के ऑफिस में मुझे उसने बुलाया व कहने लगा कि- दीपक तंवर वाली फाईल का क्या हुआ तो मैनें बोला की शासकीय वकील की राय के लिए फाईल पेश कर रखी है, वहा से फाईल पर टीप आने पर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी तो वह मुझे कहने लगा कि तुम जाकर वकील से लिखवाकर लाओ। मैंने कहा कि लीगल प्रोसिजर अनुसार फाईल भेजी है, जैसा आगे से जवाब आएगा, वैसी कार्यवाही की जावेगी। इसी बात से नाराज होकर विक्रम बैरवे ने मारपीट की। घटना के समय मौके पर उपस्थित कर्मचारी श्यामलाल धनोतिया, अजय मरोठिया एवं अन्य ने घटना देखी व आकर बीच बचाव किया।

सांवरिया सेठ पैदल यात्रा की तैयारियां शुरू, 4 फरवरी को 90 किलोमीटर दूर पैदल चलकर पहुंचेगा आस्था का सैलाब...

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 4 फरवरी 2026 को नीमच से 90 किलोमीटर दूर पैदल चलकर मंडफिया धाम पर आस्था का सैलाब पहुंचेगा। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी सांवरिया भक्त मंडल नीमच द्वारा धूमधाम से पैदल यात्रा निकाली जाएगी। इसकी तैयारियां अभी से शुरू हो गई है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचार–प्रसार शुरू हो चुका है। इस वर्ष सांवरिया सेठ की पैदल यात्रा इतिहास रचने जा रही है।

सांवरिया भक्त मंडल के गोपाल गर्ग (जीजी) ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि सांवरिया सेठ की पैदल यात्रा की तैयारियां अभी से शुरू हो गई हैं। मकर सक्रांति के शुभ मुहूर्त पर 14 जनवरी 2026 से पंजीयन शुरू हो जाएंगे, गंगानगर आफिस जैन भवन रोड बंगला नंबर 48 में पंजीयन प्रारंभ होंगे। प्रसिद्ध समाजसेवी अरूल अशोक गंगानगर द्वारा इस पैदल यात्रा को दिव्य और भव्य रूप देने के प्रयास किए जा रहे है। चिकित्सा सुविधाओं के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम साथ चलेगी। पूरी यात्रा के दौरान भजन कीर्तन गायन सहित अन्य धार्मिक आयोजनों को लेकर बेहतरीन भजन गायकों को बुलाया जाएगा। इसकी रूपरेखा तय की जा रही है। जगह–जगह स्वागत करने वाले संस्थाओं, संगठनों, समाजसेवियों की लिस्ट पृथक से तैयार होगी, ताकि रूट में स्वागत करने में आसानी हो।

निम्बाहेडा में होगी रात्रि विश्राम- 4 फरवरी 2026 को पदयात्रा नीमच से शुरू होगी, राजस्थान के निम्बाहेडा में पैदल यात्रा का पडाव होगा, जहां पर निम्बाहेडा के व्यापारी सेठ विकास शारदा के नेतृत्व में रात्रि विश्राम की तैयारियां होगी। निम्बाहेडा में रात्रि विश्राम के दौरान आकर्षक भजन संध्या का आयोजन होगा। अगले दिन 5 फरवरी 2026 को अलसुबह पैदल यात्रा शुरू होगी, जो दोपहर तक मंडफिया धाम पहुंचेगी। मंडफिया में भक्तों के भोजन के लिए विशाल भंडारा रखा गया है।

जिला प्रशासन द्वारा सुशासन की अभिनव पहल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन नीमच द्वारा सुशासन की दिशा में अभिनव पहल कर, प्रशासन गांव की और अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रथम चरण में 22 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक ग्राम पंचायतों के 85 कलस्टर मुख्यालयों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाकर, 46 हजार से अधिक हितग्राहियों को लाभांवित किया गया है। प्रथम चरण में जिले में आयोजित इन शिविरों में महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा,राजस्व पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा कुल 46 हजार 500 से अधिक हितग्राहियों को सेवाएं प्रदान कर लाभांवित किया गया है।

विशेष राजस्व शिविरों में 2945 आवेदन प्राप्त - 590 निराकृत- प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत प्रथम चरण में जिले में आयोजित विशेष राजस्व शिविरों में कुल 2945 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 590 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष 2355 आवेदन लंबित रखे जाकर, संबंधित तहसीलदार द्वारा उनका समय सीमा में निराकरण करने की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत नामांतरण के 637, बंटवारा के 269, सीमांकन के 54, कब्जा विवाद के 22, रास्ता विवाद के 80, खसरे नक्क्षे में बटांकन के 280, राजस्व पुलिस के मध्यस्थता संबंधी 19 आवेदन प्राप्त हुए है। राजस्व रिकार्ड मे आदेश अमल के 222, बी1 वाचन उपरांत रिकार्ड सुधार के 532 आवेदन, ग्राम आबादी के प्रस्ताव 38, फार्मर रजिस्ट्री के 229, आरओआर केवायसी के 448, नक्क्षे में त्रुटिसुधार के 137 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें से कुल 590 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया है।

जिले में 5906 आवास हितग्राहियों का सत्यापन- प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत प्रथम चरण में जिले में आयोजित शिविरों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 131 स्थानों पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया।

जनसुनवाई के दिन सभी पटवारी अपने-अपने मुख्यालय पर रहकर लोगों की समस्या सुनें-कलेक्टर

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर, एडीएम, सीईओ ने 46 लोगों की समस्याए सुनीं

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय जनसुनवाई सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने ऑनलाइन वीसी से जुड़े हुए सभी एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी को निर्देशित किया कि सभी पटवारी अपने-अपने हल्का मुख्यालय पर रहे तथा जनसुनवाई के दौरान लोगों की समस्या को सुने मुख्यालय पर रहकर सीमांकन, बटवारा, फार्मर रजिस्ट्री, ई केवाईसी इत्यादि काम करें तथा लोगों की समस्याओं का तुरंत समाधान करें।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन ने 46 आवेदकों की समस्याएं सुनीं।

जनसुनवाई के दौरान आए विभिन्न प्रकरणों में त्वरित निर्देश जारी किए गए। थड़ोद निवासी रनवीर सिंह ने बंद किये गए सरकारी रास्ते को चालु करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर तहसीलदार मल्हारगढ़ को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। भैसोदामण्डी निवासी सीमा ने सरकारी रोड़ से अतिक्रमण हटाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर एसडीएम गरोठ को जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। अफजलपुर निवासी गनी ने एसआईआर में सही जानकारी इंद्राज करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर एसडीएम मंदसौर को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

एसपी विनोद मीना के पास पहुंचे कांग्रेस नेता, छात्रावास की सरकारी भूमि के भौतिक सत्यापन का आश्वासन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना से कांग्रेस पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल में जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, मन्दसौर विधायक विपिन जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, ब्लॉक अध्यक्ष इष्टा भाचावत, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष कांतिलाल राठौर, एनएसयूआई पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील बसेर सहित अन्य नेता शामिल थे। यह मुलाकात पोस्टल कॉलोनी के सामने स्थित सरकारी छात्रावास की भूमि पर कुछ भूमाफियाओं द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण के संबंध में की गई। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रितिक पटेल, आदर्श जोशी, सम्यक जैन, ओमप्रकाश रोतिया एवं अन्य युवाओं ने छात्र हित में इस अवैध कब्जे को हटाने का साहसिक प्रयास किया था, जिसके बाद भूमाफियाओं द्वारा उनके खिलाफ झूठी एवं बदले की भावना से एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रतिनिधि मंडल ने एसपी श्री मीना को इस पूरे मामले की जानकारी दी तथा छात्रावास की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की। एसपी विनोद कुमार मीना ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि पुलिस द्वारा इस भूमि का शीघ्र भौतिक सत्यापन करवाया जाएगा, ताकि सच्चाई सामने आए और उचित कार्रवाई की जा सके। छात्रों के हित और न्याय की यह लड़ाई जारी रहेगी।

शीत लहर के चलते कलेक्टर ने नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों का अवकाश- दो दिन बढाया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जिले में वर्तमान में शीत लहर के कारण न्यूनतम तापमान में अत्यधिक गिरावट दर्ज होने और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए नीमच जिले में संचालित सभी शासकीय एवं अशासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए 05 एवं 06 जनवरी 2026 को अवकाश घोषित किया गया था। इस अवकाश अवधि को दो दिन बढाकर अब 7 व 8 जनवरी 2026 को भी अवकाश घोषित किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी नीमच श्री सुजान मल मांगरिया ने बताया कि उक्त अवधि में अन्य महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधियाँ, जैसे परीक्षाएँ आदि, पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार संचालित रहेंगी। जिला प्रशासन द्वारा मौसम की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

दलौदा पुलिस ने सिद्धि विनायक कॉलोनी में हुई चोरी में एक बदमाश को पकड़ा, जेवर- नकदी बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दलौदा थाना पुलिस ने सिद्धि विनायक कॉलोनी में हुई चोरी में एक बदमाश को पकड़ा है, जिसके कब्जे से जेवर-नकदी बरामद किए गए हैं। दलौदा थाना पुलिस ने एक सप्ताह में तीन बड़ी चोरियों का खुलासा किया गया है।

उधर, वाहन चोरी कंजर गेंग, गेहूँ चोर गिरोह सहित घर में चोरी करने वाले आरोपीयो को जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण कीर्ति बघेल के मार्गदर्शन तथा उनि शुभम व्यास थाना प्रभारी थाना दलौदा के नेतृत्व में दलोदा पुलिस टीम द्वारा सिद्धि विनायक कॉलोनी में फरियादी पंकेश कुमावत के घर ताला तोडकर चोरी हुए चांदी के आभुषण तथा नकदी को चुराने वाले आरोपी राजेन्द्र चन्द्रवंशी पिता भारत चन्द्रवंशी निवासी नेतावली थाना रिंगनोद जिला रतलाम को गिरफ्तार कर चोरी गया मश्रुका चांदी के आभुषण सहित नकदी को जब्त करने में सफलता मिली है। प्रकरण में एक विशेष टीम का गठन किया गया, दौराने विवेचना टीम द्वारा घटना स्थल तथा आस पास के सीसीटीवी कैमरे के फुटेज तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर आरोपी राजेन्द्र कुमार पिता भारत चन्द्रवंशी निवासी नेतावली थाना रिंगनोद जिला रतलाम तथा अपने एक साथी के साथ मिलकर वारदात को घटित करना कबुल किया था। उसके कब्जे से चोरी हुए चांदी के आभुषण कीमती करीबन 1 लाख रूपये, नगदी 10 हजार रूपये मिले हैं। इस सराहनीय कार्य में सउनि कैलाश बघेल, सउनि प्रमोदसिंह तोमर, सउनि युसूफ मंसुरी, प्रआर मुकेश भदोरिया, हरीश यादव, आरक्षक विजेन्द्र गुर्जर, युवराजसिंह, सैनिक अर्जुनसिंह, सैनिक भगवानसिंह, सैनिक मिट्ठूसिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उक्त टीम को पुलिस अधीक्षक विनोद मीना द्वारा पुरुष्कृत किया जावेगा।

प्रतापगढ़ में पुलिस पर गंभीर आरोपों को लेकर एसपी कार्यालय का घेराव, पूर्व विधायक मीणा व किसान नेता जोकचन्द ने किया नेतृत्व

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में गंभीर आरोपों को लेकर प्रतापगढ़ में जनआक्रोश देखने को मिला। वार्ड क्रमांक 34 के पार्षद शाकिर शेख द्वारा प्रतापगढ़ कोतवाली के तत्कालीन थानाधिकारी दीपक बंजारा, कांस्टेबल राजवीर, रमेश उर्फ गजनी सहित अन्य पुलिसकर्मियों और कथित फर्जी पुलिसकर्मियों पर लगाए गए गंभीर आरोपों के विरोध में सोमवार को विरोध प्रदर्शन हुआ। इस प्रदर्शन का नेतृत्व प्रतापगढ़ के पूर्व विधायक रामलाल मीणा एवं मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द ने किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान, कांग्रेस कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं आम नागरिक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने शहर में पैदल मार्च करते हुए जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया और जोरदार नारेबाजी की। ज्ञापन और प्रदर्शन का मुख्य आधार 31 दिसंबर 2025 की रात की वह घटना है, जिसे लेकर पुलिस पर अत्यंत गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

जिला अस्पताल के डॉक्टरों का कमालः 750 ग्राम के नवजात को 49 दिनों के संघर्ष के बाद दिया नया जीवन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय के एसएनसीयू वार्ड ने एक बार फिर अपनी विशेषज्ञता साबित की है। यहां के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने अपनी मेहनत और आधुनिक उपचार पद्धति से मात्र 750 ग्राम वजन के एक अति-गंभीर नवजात शिशु की जान बचाने में सफलता हासिल की है। 31 सप्ताह में जन्म लेने वाले इस नन्हे योद्धा ने 49 दिनों तक मौत से जंग लड़ने के बाद पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर वापसी की है।

विशेषज्ञों की निगरानी में चला गहन उपचार- सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. रावत के मार्गदर्शन में एसएनसीयू प्रभारी डॉ. अरविंद कुमार वर्मा के साथ में डॉ आशीष मांदलिया, डॉ. सिद्वार्थ जैन, डॉ जगदीश सेन, डॉ श्रुति सेठिया एवं समस्त नर्सिंग स्टाफ ने बच्चे को बचाने की चुनौती स्वीकार की। बच्चे को सांस लेने में भारी तकलीफ थी, जिसके कारण उसे ह्2 सीपीएपी सपोर्ट पर रखा गया। उपचार के दौरान उसे डोपामाइन, कैफ़ीन और एमिनो-वेन जैसी जीवन रक्षक दवाइयां दी गईं। दवाइयों के साथ-साथ बच्चे को कंगारू मदर केयर भी दी गई, जिससे उसकी स्थिति में तेजी से सुधार हुआ।

49 दिन बाद 1.13 किलो हुआ वजन, मिली छुट्टी, परिजनों ने माना आभार- चिकित्सकों की मेहनत का परिणाम रहा कि बच्चा धीरे-धीरे दूध पीने में सक्षम हो गया और उसका वजन बढ़कर 1.13 किलोग्राम पहुंच गया। 49 दिनों के सफल उपचार के बाद 26 दिसंबर 2025 को उसे डिस्चार्ज किया गया।

बच्चे के स्वस्थ होने पर शाहिन और उनके परिजनों ने चिकित्सकों और एसएनसीयू के समस्त नर्सिंगस्टाफ का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शासन की निःशुल्क योजनाओं और जिला अस्पताल की टीम के समर्पण के कारण ही उनके बच्चे की मुस्कान लौट सकी है।

सत्यम ज्वेलर्स कांड में बड़ा खुलासा! पुलिस ने खोली दुकान, निवेशक बाहर ही रह गए, नकदी-जेवरात गायब या सुरक्षित, पारदर्शिता पर उठे सवाल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सत्यम ज्वेलर्स प्रकरण में मंगलवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दुकान का ताला खुलवाकर जांच की। थाना प्रभारी पुष्पा चौहान पुलिस दल के साथ मौके पर मौजूद रहीं। पुलिस ने दुकान के भीतर दस्तावेजों की जांच की और आवश्यक कागजात जब्त कर लिए। जांच के बाद दुकान को पुनः सील कर दिया गया। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई।

दुकान के बाहर बड़ी संख्या में निवेशक मौजूद रहे, जो पुलिस जांच के निष्कर्ष को लेकर उत्सुक नजर आए। निवेशकों का कहना है कि उन्होंने सत्यम ज्वेलर्स में करोड़ों रुपये नकद, सोना-चांदी और जेवरात अमानत के तौर पर जमा कर रखे थे। संचालक बहादुर सोनी के निधन के बाद उनकी यह पूंजी अनिश्चितता में फंस गई है।

निवेशकों ने आरोप लगाया कि पूर्व में अधिकारियों द्वारा यह कहा गया था कि दुकान खुलने पर मीडिया और निवेशकों को भी अंदर जाने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन मौके पर ऐसा नहीं हुआ। इससे जांच की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए हैं।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फिलहाल केवल दस्तावेजों और खातों की जांच की जा रही है। सोना-चांदी, नकदी या तिजोरी की जांच अभी नहीं की गई है। दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इस मामले में निवेशकों द्वारा एक कथित सिंडिकेट का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें कुछ नाम सामने आए हैं। निवेशकों की मांग है कि पूरे प्रकरण की गहराई से निष्पक्ष जांच हो, ताकि सच्चाई सामने आ सके और उनकी जमा पूंजी सुरक्षित लौटाई जा सके। फिलहाल पुलिस जांच जारी है और निवेशकों की निगाहें आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

बाछड़ा समुदाय के युवक-युवतियों को स्थानीय उद्योगो में रोजगार दिलाए-श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में बाछडा समुदाय के उत्थान एवं कल्याण के लिए प्रशासन द्वारा संचालित पंख अभियान के तहत स्वरोजगार प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके बाछडा समुदाय के 50 युवक, युवतियों को इस माह जिले के स्थानीय नव स्थापित उद्योगो में रोजगार दिलाना सुनिश्चित करें। महाप्रबंधक उद्योग एवं एमपीआईडीसी के अधिकारी उद्योगो से समन्वय, सम्पर्क कर, स्थानीय बाछडा युवाओं को रोजगार दिलवाए।

बाछडा बाहुल्य ग्रामों में चयनित किए गये वालिंटियर के सहयोग से शाला से बाहर रहे, बच्चों को आगामी शिक्षा सत्र में विद्यालय में प्रवेश दिलाए। कोई भी बच्चा शाला त्यागी ना रहे। समुदाय के सभी विद्यार्थी नियमित रूप से स्कूल में उपस्थित हो।

इस कार्य में वालेंटियर्स का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में पशुपालन विभाग द्वारा संचालित मुर्गीपालन योजना, बकरी पालन योजना का बाछडा समुदाय के पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सहकारिता, उद्यानिकी, अंत्यावसायी, कृषि, ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान, आजीविका मिशन द्वारा पंख अभियान के तहत लाभांवित हितग्राहियों की विभागवार समीक्षा की गई। सभी विभागों को अपनी विभागीय योजनाओं में बाछड़ा समुदाय के हितग्राहियों की भागीदारी बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए।

नीमच जिला पंचायत सीईओ का प्रभारी पराग जैन को सौंपा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा भाप्रसे अधिकारियों को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में 5 से 30 जनवरी 2026 तक आयोजित मिड केरियर ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर आईएएस आफिसर्स-(फेस-3, राउण्ड-24) में भाग लेने हेतु अनुमति प्रदान की गई हैं। उक्त आदेश के पालन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नीमच श्री अमन वैष्णव द्वारा प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए जिले से प्रस्थान किया गया हैं। अतः कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा श्री वैष्णव की उक्त प्रशिक्षण अवधि में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नीमच का प्रभार श्री पराग जैन, डिप्टी कलेक्टर जिला नीमच को अपने वर्तमान कार्य के साथ-साथ आगामी अन्य आदेश होने तक सौंपा गया हैं। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

दीक्षांत समारोह 12 जनवरी को

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। के.रि.पुलिस बल नीमच में 12 जनवरी 2026 को 9 बजे से सिपाही, तकनीकी (एम.एम.वी. व पेंटर) कम संख्या-1 के कार्मियों के दीक्षांत सह शपथ ग्रहण समारोह आर.टी.सी.नीमच के परेड ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने दिलाई सिंगोली के समीर को

पुत्र के उपचार के लिए 12 हजार रूपये की सहायता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टोरेट में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई की। जनसुनवाई में कलेक्टर ने सिंगोली के समीर पिता बरकत हुसैन के आवेदन पर पुत्र हसन के हृदय रोग के आपरेशन एवं उपचार के लिए कलेक्टर ने रेडक्रास नीमच से 12 हजार रूपये की तत्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। मनासा निवासी रमा पति प्रकाश चौहान के आवेदन पर कलेक्टर ने सीएमओ मनासा को दूरभाष पर सीमांकन के बाद विवादित दीवार को हटाकर रमा चौहान को कब्जा दिलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने रमा से कहा, कि वे मौके पर पहुचे, न.पा.मनासा की टीम द्वारा उसे तत्काल कब्जा दिलया जाएगा। जनसुनवाई में पिपलिया रावजी के दिव्यांग स्वरूप सिह देवड़ा के आवेदन पर कलेक्टर ने स्वरूपसिह का पेट रोग के उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में निःशुल्क व्यवस्था करने के निर्देश भी सिविल सर्जन को दिए। जनसुनवाई में कलेक्टर ने 62 आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

नामांतरण प्रकरणों का समय-सीमा निराकरण करें- जनसुनवाई में न.पा.नीमच से संबंधित एक नामांतरण संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने नामांतरण संबंधी आवेदन पर कलेक्टर ने सीएमओ को निर्देश दिए, कि नामांतरण संबंधी प्रकरणों में निर्धारित तीन माह की समय-सीमा में कार्यवाही पूर्ण कर, नामांतरण प्रकरणों का निराकरण किया जाए। कोई भी नामांतरण प्रकरण तीन माह से अधिक अवधि तक लंबित ना रहे।

जनसुनवाई में नीमच की कलाबाई, कनावटी की नेहा नायक, जीरन के नरेन्द्र कुमार, चपलाना की अनिता, कलेपुर के बंशीनाथ, खेमराज, धनगाव के नाथुलाल, खोर के राहुल, नीमच के जयंत गोंड, बामनबर्डी की सुगनाबाई, सिंगोली के भंवरलाल, ग्वालटोली की सुनिता, नीमच की शेरो बी, गोपाल राव, अल्हेड के संजय चंदेल, बनी के दशरथ पाटीदार, चीताखेडा के भेरूलाल, पिपल्यावास की मुन्नीबाई, नीमच के सेहनाज, कुकडेश्वर के मोतीलाल, बरखेड़ा कामलिया के रामनिवास ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

सम्पादकीय

शादी विकल्प, जीवन मिशनः आज की लड़कियों की सोच

सपनों की उड़ान अब किसी परंपरा की कैद में नहीं रुकती। आज की लड़कियां अपने भविष्य को खुद आकार दे रही हैं, और यह तय कर रही हैं कि जीवन का असली मानदंड केवल विवाह नहीं, बल्कि स्वायत्तता, तकनीक, विज्ञान, शिक्षा, उद्यमिता और नेतृत्व में अपनी पहचान बनाना है। हर कदम पर वे पुरानी सीमाओं को चुनौती देती हैं और नए अवसरों की खोज में समाज की रूढ़ियों को पीछे छोड़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि एक नई पीढ़ी की शक्ति, साहस और समाजिक बदलाव का प्रतीक है।

नई पीढ़ी की लड़कियों का दृष्टिकोण- आज की लड़कियां शादी को जीवन का अंतिम लक्ष्य नहीं मानतीं। वे अपने सपनों, करियर और आत्म-विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। यह बदलाव केवल एक क्षणिक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि समाज में गहरी और स्थायी क्रांति का संकेत है। भारतीय परंपरा में वर्षों से चली आ रही धारणा कि लड़की की सफलता केवल घर, विवाह और गृहस्थी में मापी जाती थी, अब पूरी तरह टूट चुकी है। नई पीढ़ी स्पष्ट रूप से कहती है ङ्क ÷जीवन मेरा है, फैसले मेरे हैं, और समय मेरे हाथ में है।÷ यह आजादी उन्हें आत्मविश्वास, सम्मान और सामाजिक मान्यता देती है। हर लड़की के लिए यह परिवर्तन प्रेरणा और दिशा का स्त्रोत बन चुका है।

बंधनों से मुक्ति का सफर- इतिहास में लड़कियों को अक्सर परिवार और समाज की सीमाओं में रखा गया। बाल विवाह, कम शिक्षा और घरेलू जिम्मेदारियों ने उनकी प्रतिभा और संभावनाओं को रोका। स्वतंत्रता के बाद भी यह सोच धीरे-धीरे बदल रही थी। लेकिन पिछले तीन दशकों में शिक्षा के प्रसार, कानूनी सुरक्षा और वैश्विक दृष्टिकोण ने यह परिदृश्य पूरी तरह बदल दिया। सावित्रीबाई फुले से लेकर आज की युवा उद्यमियों तक, महिलाओं ने हर मोड़ पर संघर्ष किया। अब लड़कियां आईएएस, वैज्ञानिक, पायलट और सीईओ बन रही हैं। वे समझ चुकी हैं कि शादी जीवन का हिस्सा है, लेकिन उसका अंतिम लक्ष्य नहीं। यह बदलाव केवल व्यक्तिगत चुनाव नहीं, बल्कि समाज में गहन क्रांति का प्रतीक बन चुका है।

आंकड़े जो बदलाव दिखाते हैं- राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 22.5 वर्ष से अधिक हो चुकी है। शहरी क्षेत्रों में यह 25-28 वर्ष तक पहुँच चुकी है। उच्च शिक्षा प्राप्त 70 प्रतिशत से अधिक लड़कियां शादी को 25 वर्ष के बाद स्थगित करना चाहती हैं। कॉर्पोरेट क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, और स्टार्टअप्स में महिला संस्थापकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। लाखों लड़कियां अब सोशल मीडिया पर अपनी करियर और शादी में देरी की पसंद को खुलकर व्यक्त कर रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी जागरूकता फैल रही है। समाज का दबाव अभी भी मौजूद है, लेकिन लड़कियां जवाब दे रही हैं पहले करियर, पहले स्थिरता, पहले अपनी पहचान।

व्यक्तिगत और सामाजिक सशक्तिकरण- जब लड़कियां शादी से पहले अपने जीवन की योजना बनाती हैं, तो वे आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनती हैं। इससे उनके निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है, आत्मविश्वास मजबूत होता है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है। वैश्विक आर्थिक मंच की रिपोर्ट के अनुसार, लिंग समानता बढ़ने से भारत की जीडीपी में 27त्न तक का इजाफा संभव है। देर से विवाह मातृत्व स्वास्थ्य सुधारता है और बच्चों की शिक्षा पर निवेश बढ़ता है। रिश्ते समानता और समझ पर टिकते हैं, निर्भरता पर नहीं। समाज को शिक्षित, कुशल और जिम्मेदार नागरिक मिलते हैं। आज लड़कियां केवल घर नहीं संभालतीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाती हैं।

चुनौतियां और संघर्ष - यह मार्ग आसान नहीं है। परिवार का भावनात्मक दबाव, समाज की आलोचना और अकेलेपन में सुरक्षा की चिंता लड़कियों के लिए चुनौती बनती हैं। कार्यस्थल पर ग्लास सीलिंग और वेतन असमानता अब भी बाधा हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों की कमी और रूढ़िवादी सोच कठिनाइयाँ बढ़ाती हैं। मानसिक तनाव अधिक होता है क्योंकि लड़कियां घर और समाज, दोनों जगह दोहरी जिम्मेदारी निभा रही हैं। फिर भी ये चुनौतियां उन्हें मजबूत बनाती हैं। लड़कियां एक-दूसरे का सहारा बन रही हैं, ऑनलाइन और ऑफलाइन समुदाय बना रही हैं। सरकार और संस्थाओं को बेहतर सुरक्षा, समान अवसर और जागरूकता सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्रेरक महिला उदाहरण- किरण बेदी ने पुलिस सेवा में क्रांति लाई और करियर के लिए वैवाहिक जीवन में समझौता किया। मैरी कॉम ने छह विश्व चैंपियनशिप जीतकर और सुपरमॉम के रूप में जानी जाकर साबित किया कि मातृत्व और करियर साथ-साथ संभव हैं। मातृत्व के बाद सफलता का वे बड़ा उदाहरण हैं। इंद्रा नूयी ने पेप्सिको को नई ऊंचाई दी, देर से शादी की और कभी पछतावा नहीं किया। फाल्गुनी नायर ने 50 वर्ष की उम्र में अरबों का व्यवसाय खड़ा किया। हजारों अनाम लड़कियां रोज़ छोटे-बड़े शहरों में सरकारी नौकरी, स्टार्टअप और विदेशी शिक्षा के लिए मेहनत कर रही हैं।

माघ का महीना आत्मज्ञान की प्राप्ति व परमात्मा से योग का अवसर

माघ का महीना पहले माध का महीना था, जो बाद में माघ हो गया. माध शब्द का संबंध श्री कृष्ण के एक स्वरूप माधव से है। इस महीने को अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस महीने में ढेर सारे धार्मिक पर्व आते हैं , साथ ही प्रकृति भी अनुकूल होने लगती है। इसी महीने में संगम पर कल्पवास भी किया जाता है, मान्यता अनुसार इससे व्यक्ति शरीर और आत्मा से नवीन हो जाता है। माघ मास में दान करने का भी विशेष महत्व होता है। साथ ही इस माह में ही मौनी अमावस्या पर्व भी आता है जो मौन के महत्व को रेखांकित करता है। इसी माह में मां शारदा की आराधना का पर्व वसंत पंचमी भी मनाया जाता है। भारतीय संस्कृति का निर्धारण मनीषियों द्वारा गणितीय, वैज्ञानिक, प्राकृतिक, शारीरिक, आध्यात्मिक व आत्मिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर किया गया है। आधुनिक समय में अधिकांश व्यक्ति या तो इन सूक्ष्मताओं से अनभिज्ञ होते हैं अथवा इन्हें अत्यंत सतही तौर पर मानते हैं।

वास्तव में यह पूर्ण मास सूक्ष्म शरीर को संतुलित कर परमात्मा से योग का अवसर प्रदान करता है। हमारे सूक्ष्म शरीर के प्रमुख छ: चक्रों की जागृति का विधान हमारी संस्कृति निर्माताओं ने हमें इस माह में सहज ही प्रदान किया है। कल्पवास की योजना हमें पवित्रता की ओर ले जाती है जिससे मूलाधार चक्र की जागृति संभव हो सकती है। इसके पश्चात इस माह में दान का महत्व बताया गया है, जब हम अपनी अर्जित संपत्ति का प्रयोग जरूरतमंद लोगों के लिए करते हैं तो मां लक्ष्मी की कृपा के पात्र बनते हैं अर्थात नाभि चक्र की जागृति का मार्ग खुलता है। मौन हमें बाह्य जगत से आत्मा की ओर ले जाता है जिससे हृदय चक्र की ओर हमारी दृष्टि जाती है। इसके पश्चात् हम ज्ञान को आत्मसात करने के लिए पूर्णतया तैयार होते हैं और तब हम वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की आराधना द्वारा स्वाधिष्ठान चक्र की जागृति करते हैं। माधव मास की साधना व मौन हमारे विशुद्धि चक्र की शुद्धता में सहायक होता है। आत्मज्ञान की प्राप्ति हमें द्वेष व अहंकार से मुक्ति प्रदान करती है व आज्ञा चक्र की जागृति का मार्ग प्रशस्त होता है।

परंतु साधना में कमी यह रह जाती है कि प्रत्येक व्यक्ति इस सूक्ष्म संरचना को समझ नहीं पाता और यदि ज्ञान की प्राप्ति होती भी है तो वह स्थिर नहीं रह पाती सांसारिक जीवन से जुड़ते ही पुनः भौतिकता व माया मन को उलझाने लगती है । इसका सहज समाधान सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति के रूप में हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है। सहजयोग ध्यान द्वारा किसी विशेष अवसर पर नहीं वरन् प्रतिपल जागृत, संतुलित व परमात्मा से योग की अवस्था को प्राप्त कर सकते हैं। इस अनुभव का एक अवसर इस पवित्र मास में स्वयं को अवश्य प्रदान करें।

आस्था के साए में अपराधः पैरोल ने फिर जगाए विवाद

क्या न्याय सचमुच अंधा है, या वह अब प्रभाव, संख्या और आस्था को पहचानने लगा है। यह प्रश्न तब और तीखा हो उठा, जब डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर (15वीं बार) 40 दिनों की पैरोल (फरलो) पर जेल से बाहर आने की अनुमति दी गई। यह केवल एक सजायाफ्ता व्यक्ति की अस्थायी रिहाई नहीं, बल्कि कानून की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक नैतिकता पर सीधा प्रहार था। जब गंभीर अपराधों में दोष सिद्ध होने के बावजूद बार-बार राहत दी जाती है, तो समाज के भीतर यह संदेह गहराना स्वाभाविक है कि क्या न्याय वास्तव में सबके लिए समान है। यही बेचैन करने वाली शंका पूरे घटनाक्रम के केंद्र में खड़ी होकर नागरिक चेतना को भीतर तक झकझोर देती है।

राम रहीम का नाम वर्षों से अपराध, आस्था और प्रभाव के विचित्र संगम का प्रतीक बन चुका है। महिलाओं के साथ हुए जघन्य अपराधों और एक निर्भीक पत्रकार की हत्या ने देश को भीतर तक हिला दिया था। न्यायालय द्वारा दी गई कठोर सजाओं से यह आशा जगी थी कि धर्म की आड़ में छिपे अपराधों पर अब कोई समझौता नहीं होगा। परंतु समय बीतने के साथ बार-बार मिली पैरोल ने उस भरोसे को कमजोर किया। स्वयं को आध्यात्मिक मार्गदर्शक बताने वाला व्यक्ति जब लगातार जेल से बाहर आता है, तो धर्म और अपराध के बीच खींची गई रेखा धुंधली पड़ने लगती है।

पैरोल का सिद्धांत मानवीयता और सुधार से जुड़ा होता है। इसका उद्देश्य कैदी को समाज से जोड़े रखना और उसे आत्ममंथन का अवसर देना है। लेकिन राम रहीम के मामले में पैरोल एक अपवाद नहीं, बल्कि नियमित प्रक्रिया जैसी प्रतीत होने लगी है। सजा के सीमित वर्षों में कई बार बाहर आना और लंबा समय जेल से बाहर बिताना सामान्य कैदियों की स्थिति से बिल्कुल अलग है। यह प्रश्न उठता है कि नियमों की व्याख्या इतनी उदार क्यों है। जब राहत बार-बार और समय विशेष पर मिलती दिखे, तो कानून की मंशा पर संदेह होना स्वाभाविक है।

न्याय की कसौटी पर यह स्थिति अत्यंत विचलित करने वाली है। एक ओर ऐसे लोग हैं, जिन पर आरोप अभी सिद्ध भी नहीं हुए, फिर भी वे वर्षों से कारावास झेल रहे हैं। दूसरी ओर सिद्ध अपराध के बावजूद बार-बार पैरोल दी जा रही है। यह विरोधाभास व्यवस्था के दोहरे मापदंड को साफ उजागर करता है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमों की अस्पष्टता और प्रशासनिक विवेक की अत्यधिक छूट ने इस असमानता को जन्म दिया है। जब निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रहती, तब न्याय कागज़ों तक सिमट जाता है और जनता का भरोसा धीरे-धीरे दरकने लगता है।

इस पूरे घटनाक्रम में सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। बड़े अनुयायी समूह अपने आप में शक्ति बन जाते हैं। यही शक्ति कई बार निर्णयों पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दबाव का कारण बनती है। धर्मस्थलों और धार्मिक व्यक्तित्वों का सामाजिक प्रभाव नई बात नहीं है, लेकिन जब इसका उपयोग कानून को नरम करने के लिए होने लगे, तो खतरा बढ़ जाता है। आस्था जब संगठित समर्थन में बदल जाती है, तो न्याय कमजोर पड़ने लगता है। यह प्रवृत्ति केवल एक मामले तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक लोकतांत्रिक चुनौती का संकेत है।

धार्मिक पहलू इस विवाद को और अधिक संवेदनशील बना देता है। जब आस्था विवेक पर भारी पड़ती है, तब प्रश्न पूछने की क्षमता क्षीण हो जाती है और अंधभक्ति हावी होने लगती है। पैरोल के दौरान होने वाली गतिविधियां अनुयायियों में उत्साह और भरोसा भरती हैं, लेकिन पीड़ित परिवारों के लिए वही क्षण गहरी पीड़ा का कारण बनते हैं। उनके लिए हर रिहाई न्याय के पुराने घावों को फिर से हरा कर देती है। धर्म का उद्देश्य नैतिक उत्थान और करुणा है, न कि अपराधों के लिए ढाल बनना। जब आस्था का उपयोग संरक्षण के लिए होता है, तो समाज में गलत संदेश जाता है।

न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता पर इसका प्रभाव अत्यंत गहरा और दूरगामी है। जब आम नागरिक यह देखता है कि प्रभावशाली नामों के लिए कानून के द्वार सहजता से खुल जाते हैं, तो न्याय के प्रति सम्मान स्वतः कमजोर पड़ने लगता है। सार्वजनिक विमर्श में दिखाई देने वाला आक्रोश केवल क्षणिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि भीतर तक जमी निराशा की अभिव्यक्ति है। लोग इसे सुविधा और प्रभाव से संचालित न्याय कहने लगे हैं। जब निर्णयों पर स्पष्ट, पारदर्शी और ठोस उत्तर नहीं मिलते, तब यह मौन अविश्वास को जन्म देता है। यदि समय रहते विश्वास बहाल नहीं किया गया, तो यह दरार स्थायी बनकर न्याय व्यवस्था की नींव को ही कमजोर कर देगी।

सबसे गहरी पीड़ा पीड़ितों की है, जिनकी आवाज अक्सर भीड़ और शोर में दबकर रह जाती है। महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े प्रश्न केवल कानून तक सीमित नहीं, बल्कि समाज की नैतिक चेतना की भी परीक्षा हैं। जब दोष सिद्ध होने के बाद भी कठोरता नहीं दिखाई जाती, तो यह संदेश जाता है कि शक्ति ढाल बन सकती है। ऐसी सोच समाज को भीतर से कमजोर करती है, क्योंकि इससे अपराध सामान्य और न्याय सापेक्ष हो जाता है। कोई भी व्यवस्था तब तक मानवीय नहीं कही जा सकती, जब तक वह सबसे कमजोर के साथ समान और संवेदनशील व्यवहार न करे।

राम रहीम की पैरोल का मुद्दा किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यह धर्म, प्रभाव और कानून के उस खतरनाक मेल को उजागर करता है, जहां सीमाएं लगभग मिटती जा रही हैं। यहां सुधार केवल नियम बदलने से नहीं आएगा, बल्कि सोच और प्राथमिकताओं में मूलभूत परिवर्तन आवश्यक है। पारदर्शी मापदंड, कानून का समान अनुप्रयोग और स्पष्ट सार्वजनिक जवाबदेही ही टूटते विश्वास को जोड़ सकते हैं। अब समय आ गया है कि व्यवस्था आत्मपरीक्षण करे, क्योंकि जब न्याय से समझौता होता है, तो लोकतंत्र की नींव डगमगाने लगती है।

-प्रो. आरके जैन

भारत दुनिया को दे सकता है एक ब्लूप्रिंट

भारत अपनी डिजिटल यात्रा में अगली बड़ी छलांग लगाने के लिए तैयार है। एक दशक पहले हमने, जनसंख्या के एक बड़े वर्ग को ध्यान में रखकर, विशिष्ट पहचान वाले आधार और एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) जैसे तंत्र बनाए जिससे विशिष्ट पहचान और भुगतान सभी के लिए सुलभ हो गए। ये मंच इसलिए कारगर रहे क्योंकि वे सरल, सुरक्षित और कम लागत वाले होने के साथ ही सार्वभौमिक उपयोग के लिए डिजाइन किए गए थे। अब जब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) रोजमर्रा के जीवन में प्रवेश कर रही है, हमें एक नई सार्वजनिक प्राथमिकता के लिए उसी स्पष्ट उद्देश्य को अपनाना होगा। प्रत्येक भारतीय की एक सुरक्षित और विश्वसनीय एआई एजेंट तक पहुंच होनी चाहिए जो उन्हें जानकारी का प्रबंधन करने, सेवाओं और निर्णय लेने की उनकी क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सके। कई लोगों के लिए, एक एजेंट मुख्य डिजिटल इंटरफेस बन जाएगा जिसके माध्यम से वे जानकारी हासिल करते हैं, कोई नया कौशल सीखते हैं और सरकार तथा निजी, दोनों सेवाओं के लिए संवाद करते हैं। एक किसान को मौसम और मिट्टी से जुड़ी जानकारी समय-समय पर चाहिए होती है। एक छात्र को परीक्षाओं या भाषा से जुड़े अभ्यास के लिए मदद की आवश्यकता हो सकती है। एक मरीज, एक एजेंट के जरिये प्रिस्क्रिप्शन को समझने और सेहत से जुड़े रिकॉर्ड को व्यवस्थित करने के लिए कर सकता है। एक छोटा कारोबार अपने काम को सरल करने के लिए, लॉजिस्टिक्स और नियमों के अनुपालन के लिए एक एजेंट की ओर रुख कर सकता है। इन इस्तेमाल को तभी साकार किया जाएगा जब हम सभी के लिए एक समावेशी संरचना का निर्माण करेंगे।

एक समावेशी एजेंट संरचना को वास्तव में चार आवश्यकताओं के जरिये परिभाषित करना चाहिए। सबसे पहले, इन एआई एजेंटों को भारत की गोपनीयता सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए। एजेंट स्वास्थ्य, वित्त, शिक्षा और दैनिक जीवन से जुड़े संवेदनशील डेटा को संभालेंगे। उपयोगकर्ताओं को पता होना चाहिए कि कौन-सी जानकारी एकत्र की जाती है और इसका उपयोग कैसे किया जाता है। पारदर्शिता और भरोसे के बिना, राष्ट्रीय स्तर पर कोई भी तंत्र सफल नहीं होगा। दूसरा, एजेंटों को भारत की सामग्री दिशानिर्देशों के भीतर काम करना चाहिए। सभी समाज, खराब सामग्री को कम करने के लिए सीमाएं निर्धारित करते हैं। भारत का नियामकीय ढांचा पहले से ही इन अपेक्षाओं को परिभाषित करता है।

तीसरा, एजेंटों को डेटा एम्पावरमेंट ऐंड प्रोटेक्शन आर्किटेक्चर (डेपा) के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। डेपा किसी व्यक्ति को सहमति प्रबंधकों के माध्यम से अपने डेटा को सुरक्षित रूप से साझा करने में सक्षम बनाता है। जब एजेंट डेपा के साथ काम करते हैं तो उपयोगकर्ता इस बात पर नियंत्रण रखते हैं कि उनका डेटा कब और कैसे साझा किया जाता है। आखिरी बात यह कि एक एजेंट प्रत्येक भारतीय को मुफ्त में उपलब्ध होना चाहिए जिसमें विज्ञापन का झंझट न हो। हमने यूपीआई को मुफ्त कर दिया है, एआई एजेंट भी मुफ्त होने चाहिए।

-धनंजय राजौरा

विश्व पटल पर बालिकाओं का नवयुगः बदली सोच, उभरी शक्ति

एक समय था जब दुनिया के बड़े हिस्से में बेटी का जन्म बोझ समझा जाता था। गर्भ में ही उसके जीवन का अंत कर दिया जाता, या जन्म के बाद भेदभाव, उपेक्षा और वंचना उसका भाग्य बनती। सदियों तक चली इस दकियानूसी एवं पुरानपंथी सोच ने समाज, सभ्यता और प्रकृति-तीनों को गहरे घाव दिए। किंतु आज उसी दुनिया में सोच के स्तर पर एक निर्णायक मोड़ दिखाई दे रहा है, एक नयी सोच का उदय हो रहा है। गैलप इंटरनेशनल जैसे वैश्विक सर्वे यह संकेत देते हैं कि 44 देशों में माता-पिता की बड़ी संख्या अब संतान के लिंग को लेकर उदासीन हो रही है, उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चा लड़का है या लड़की। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि मानव चेतना में घटित एक ऐतिहासिक परिवर्तन है। बालिकाओं को लेकर बदल रही यह सोच मानवीयता का दर्शन करा रही है। यह सच है कि तस्वीर का एक पक्ष उजला है तो दूसरा अब भी चिंताजनक। पिछले 25 वर्षों में दुनिया ने लगभग 70 लाख बच्चियों को बचाया है, यह मानवीय प्रगति का बड़ा प्रमाण है। परंतु यह भी उतना ही कड़वा सत्य है कि आज भी हर साल दस लाख से अधिक बच्चियां गर्भ में ही खत्म कर दी जाती हैं और बीते 45 वर्षों में यह संख्या पाँच करोड़ से अधिक रही है। यानी लड़का-लड़की के भेद का राक्षस अभी पूरी तरह पराजित नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उम्मीद की किरण इसलिए प्रबल है क्योंकि अब यह भेद सामाजिक स्वीकृति खो रहा है, और यही किसी भी क्रांति की सबसे ठोस बुनियाद होती है।

भारत में यह संघर्ष और भी जटिल रहा है। कम शिक्षा, रूढ़िवादी पितृसत्तात्मक सोच, अंधविश्वास और सामाजिक भ्रांतियों ने लंबे समय तक बालिकाओं के अस्तित्व पर संकट बनाए रखा। लेकिन हाल के वर्षों में स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दिखता है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार, भारत में बेटों की चाहत 1999 के 33 प्रतिशत से घटकर अब 15 प्रतिशत रह गई है। यह गिरावट केवल सांख्यिकीय नहीं, बल्कि मानसिकता में आए बदलाव का संकेत है। फिर भी, 15 प्रतिशत भी कम नहीं क्योंकि इसका सीधा असर लिंगानुपात पर पड़ता है। आज देश में लिंगानुपात 1000 लड़कों पर 943 लड़कियों का है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार जन्म के समय लड़के-लड़कियों का प्राकृतिक अनुपात लगभग 105:100 होता है, जो पाँच वर्ष की आयु तक बराबर हो जाना चाहिए। यदि पाँच साल के बाद भी 1000 लड़कों पर 57 लड़कियाँ कम हैं, तो स्पष्ट है कि प्रकृति नहीं, समाज हस्तक्षेप कर रहा है। 57 बड़ा अंतर है। सुधार की जो गति चल रही है, उस हिसाब से इस अंतर को पाटने में पच्चीस साल से ज्यादा लग जाएंगे। ये बच्चियां दुनिया में कदम रखें और अच्छी तरह से खुशगवार जिंदगी जिएं, इसके लिए उन्हें बचाने के उपाय, उनकी व्यापकता और गति सब बढ़ाने होंगे। सृष्टि के संतुलन के लिए भी यह जरूरी है। समाज की विडम्बनापूर्ण सोच ही वह ÷बाहरी शक्ति÷ है- भेदभाव, उपेक्षा, असमान पोषण, स्वास्थ्य और अवसर जो संतुलन को बिगाड़ रही है। मौजूदा सुधार की गति से इस अंतर को पाटने में पच्चीस वर्ष से अधिक लग सकते हैं। इसलिए उपायों की व्यापकता और गति दोनों को बढ़ाना अनिवार्य है।

इस बदलाव के पीछे शिक्षा सबसे बड़ा कारक बनकर उभरी है। जब-जब लड़कियों को शिक्षा के समान अवसर मिले, उन्होंने न केवल अपनी क्षमताएँ सिद्ध कीं, बल्कि समाज की दिशा भी बदली। भारत सहित कई देशों में बालिका शिक्षा, छात्रवृत्ति, डिजिटल साक्षरता, कौशल विकास और स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं ने लड़कियों के जीवन-पथ को नया आयाम दिया है। आज ग्रामीण क्षेत्रों तक स्कूल नामांकन में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ी है, उच्च शिक्षा में उनकी उपस्थिति मजबूत हुई है और विज्ञान, तकनीक, खेल, प्रशासन तथा उद्यमिता-हर क्षेत्र में वे अपनी पहचान बना रही हैं। महत्वपूर्ण यह भी है कि अब नीतियाँ केवल संरक्षण तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि सशक्तिकरण की ओर बढ़ी हैं। शिक्षा के साथ-साथ पोषण, मातृत्व स्वास्थ्य, सुरक्षित परिवहन, डिजिटल पहुँच और नेतृत्व प्रशिक्षण, इन सभी ने मिलकर बालिकाओं के आत्मविश्वास को पंख दिए हैं। यह समग्र दृष्टि ही भविष्य की महिलाओं को ÷सहायता पाने वाली÷ नहीं, बल्कि ÷निर्णय लेने वाली÷ बनाती है।

दुनिया के कई देशों में महिलाएँ अब राजनीति, प्रशासन और कॉरपोरेट नेतृत्व में अग्रिम पंक्ति में हैं। वे राष्ट्राध्यक्ष हैं, सेनाओं का नेतृत्व कर रही हैं, वैज्ञानिक खोजों की अगुआई कर रही हैं और वैश्विक संस्थानों में नीति-निर्धारण का हिस्सा हैं। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर प्रतिभा लिंग नहीं देखती। गैलप इंटरनेशनल के सर्वे में उभरी उदासीनता कि संतान का लिंग मायने नहीं रखता, दरअसल इसी विश्वास का सामाजिक विस्तार है कि लड़कियाँ भी उतनी ही सक्षम हैं। पहली बार दुनिया के स्तर पर बालिकाओं को लेकर एक सकारात्मक परिदृश्य उभरा है, इन बालिकाओं को लेकर बदली सोच एवं उभरी शक्ति के परिदृश्यों के बीच यह समय बालिकाओं-महिलाओं पर हो रहे अपराध, शोषण, बलात्कार, भेदभाव के त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है।

माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है। कानून और योजनाएँ आवश्यक हैं, पर पर्याप्त नहीं। असली परिवर्तन संस्कृति में होता है-घर के भीतर, भाषा में, परंपराओं में। जब परिवार बेटी के जन्म को उत्सव मानता है, उसकी शिक्षा में निवेश करता है, उसे निर्णयों में भागीदार बनाता है-तभी लिंगानुपात के आँकड़े स्थायी रूप से सुधरते हैं। मीडिया, साहित्य और सिनेमा की भूमिका भी यहाँ निर्णायक है; वे या तो रूढ़ियों को पोषित करते हैं या नई दृष्टि गढ़ते हैं। आज सकारात्मक प्रस्तुतियाँ बढ़ रही हैं, जो लड़कियों को आत्मनिर्भर, साहसी और नेतृत्वकारी रूप में दिखाती हैं यह सांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरुआत का लक्ष्य भी बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना है।

भविष्य की दिशा स्पष्ट है-समानता केवल अधिकारों की सूची नहीं, बल्कि अवसरों की वास्तविक उपलब्धता है। बालिकाओं को बचाना पहला कदम था; अब उन्हें बढ़ने, उड़ने और नेतृत्व करने देना अगला चरण है। स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के साथ-साथ रोजगार, संपत्ति अधिकार, डिजिटल अवसर और निर्णय-निर्माण में हिस्सेदारी-ये सभी समानता के स्तंभ हैं। यदि इन पर निरंतर और समन्वित कार्य हुआ, तो आने वाले वर्षों में लिंगानुपात केवल सुधरेगा ही नहीं, बल्कि समाज अधिक संतुलित, संवेदनशील और उत्पादक बनेगा। एक समय था जब बालिका को कोख में ही समाप्त कर दिया जाता था; आज वही दुनिया उसके जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त कर रही है। यह बदलाव अधूरा है, पर निर्णायक है। भारत में बेटों की चाहत का घटता ग्राफ, दुनिया भर में लिंग-उदासीनता की बढ़ती प्रवृत्ति और महिलाओं के लिए विस्तृत होती शिक्षा-सशक्तिकरण योजनाएँ- सब मिलकर संकेत देते हैं कि आने वाला समय वास्तव में महिलाओं का समय है। यदि यह गति बनी रही, तो देश की बालिकाएँ न केवल अपना परचम फहराएँगी, बल्कि मानव सभ्यता को अधिक न्यायपूर्ण और संतुलित दिशा भी देंगी। यही सृष्टि का स्वाभाविक और आवश्यक संतुलन है।

-ललित गर्ग

निरंतर श्रम,संयम और संकल्प लक्ष्य प्राप्ति के सच्चे और मौन साधक

जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैंद्य जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है।

इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज में 3त्न नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो ।

वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है।

इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है।

पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

तस्सवुर हवा में बिखरा देना तुम

हाले दिल न सुना सको ज़माने के बीच
चलती राहों में पलकें झुखा देना तुम।।
हमसे न मिल सको ना मिलो सरे राह,
अपना दुपटटा हवाओं में लहरा देना तुम ।।
गर तेरा दीदार नहीं वक्त से पहले,
तस्सवुर हवाओं में बिखरा देना तुम।।
याद है पूरा चाँद और चाँदनी के ख्वाब,
दूब् का बिछौना, चांदनी ओढ लेना तुम।
राह में मिल जाएँ कहीं काँटे,पत्थर,
नर्म साँसों से मखमल बना देना तुम।
बहती हवाएँ कर जाती है तेरा जिक्र,
इश्किया नगमें बादलों में लहरा देना तुम।।
सँवरने में वक्त जाया न किया करो,
चेहरे से अपना दुपट्टा हटा देना तुम।।
होश खोता कोई तुम्हे देखने के बाद.,
मनचलों को आँखें दिखा देना तुम।।
चले आओ सितारों में खो जाये कही हम,
रूह को मेरी अपनी रूह में मिला लेना तुम।।
आशिकी में गर खता हुई हमसे संजीव,
बातों को मेरी हवा में लहरा देना तुम।

-संजीव् ठाकुर

सर्दी ने किया टॉर्चर, 4 डिग्री पहुंचा तापमान

रातभर झड़ा कोहरा, धूप खिलने के बाद मिली राहत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाजापुर जिला इन दिनों हाड़ कंपा देने वाली सर्दी की चपेट में है। तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मंगलवार को भी सोमवार की अपेक्षा तापमान में 3 डिग्री गिरावट दर्ज की गई और न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं रातभर नगरवासी घने कोहरे की चपेट में रहे। मौसम विभाग की माने तो अभी सर्दी से राहत की संभावना नहीं है।

कुछ दिन पहले नगरवासी धूप से भी दूर थे और आसमान पर कोहरा, बादल छाने के साथ ही शीतलहर भी चल रही थी। सोमवार से मौसम ने करवट बदली और दोपहर में कुछ देर के लिए धूप खिली, जिससे उम्मीद थी कि अब शायद मौसम बदले और सर्दी से राहत मिले। लेकिन रात होते ही सर्द हवाओं ने लोगों की उम्मीदों पर कोहरा फेर दिया। रात करीब 9.30 बजे फिर घना कोहरा छा गया। इसके बाद सर्द हवाओं से मौसम पूरी तरह सर्द हो गया। सुबह जब लोगों की आंख खुली तो पूरे नगर ने कोहरे की चादर ओढ़ रखी थी। गनीमत रही कि कुछ देर बाद आसमान साफ हो गया और धूप निकल आई। जिससे लोगो को काफी राहत मिली। लेकिन अभी सर्दी से राहत मिलने की संभावना नहीं है।

आसमान रहेगा साफ, बरकरार रहेगी सर्दी- सोमवार की रात इस सीजन की सबसे सर्द रात रही। इस दिन न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि धूप खिलने से दिन के तापमान में वृद्धि हुई जो 19.7 से बढ़कर 22.7 डिग्री पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि तापमान इससे कम नहीं होगा। मंगलवार रात को तापमान में मामूली वृद्धि हो सकती है जो 5 डिग्री तक जा सकता है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में तापमान में उतार-चढाव का दौर जारी रहेगा, लेकिन सर्दी से राहत मिलने की फिलहाल संभावना नहीं है।

रात भर चली सर्द हवाएं, बाजारों में पसरा सन्नाटा- सोमवार को दिन में धूप खिलने के बाद लोग सर्दी से राहत की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन रात 9 बजे के बाद मौसम फिर सर्द हो गया और सर्द हवाएं चलने लगी। जिससे लोग अपने-अपने घर पहुंच गए। जिससे नगर में समय से पहले ही सन्नाटा छा गया और बाजार भी बंद हो गए।

सभी नगरीय निकाय पानी का नमूना लेकर जांच करवाए

समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सभी नगरीय निकाय पेयजल वितरण के अंतिम छोर से पानी के नमूने लेकर जांच करवाएं। उक्त निर्देश कलेक्टर ऋजु बाफना ने सम्पन्न हुई विभागीय समन्वय एवं समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर ने निर्देश दिये कि सभी नगरीय निकाय पेयजल वितरण के अंतिम छोर से पानी के नमूने लेकर जांच करवाएं। साथ ही जिस किसी वार्ड एवं घरों में खराब पानी की शिकायत मिलती है तो तत्काल पानी का सेम्पल लेकर जांच करवाएं। कलेक्टर ने सभी जनपद पंचायत सीईओ को जिले की बड़ी ग्राम पंचायतों में वितरित किये जा रहे पेयजल का सेम्पल लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की लेब से जांच कराने के निर्देश भी दिये। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को जलजीवन मिशन के अंतर्गत पूर्ण हो चुकी जलजीवन मिशन की नलजल योजनाओं को हस्तांतरित करने एवं अपूर्ण नलजल योजनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि जलजीवन मिशन के सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मापदण्ड अनुसार पूर्ण कराएं, किये जा रहे कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही एवं गड़बड़ी पाये जाने पर संबंधित ठेकेदार एवं अधिकारी पर एफआईआर दर्ज कराएं।

इंदौर में जहरीले पानी से मृत लोगों को दी श्रद्धांजलि

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में जहरीला पानी पीने से अब तक 17 लोगों की जाने चली गई है और लगभग दो हजार आठ सौ लोगों का इलाज चल रहा है। सयाजी द्वार पर पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष दिग्विजयसिह झाला के नेतृत्व में श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया एवं अस्वस्थ लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर हादसे में मृतजनों को मोमबत्ती जलाकर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा शासन से मांग की है कि हादसे में मृत लोगों के परिवार को 50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी जाए। श्री झाला ने बताया कि देवास के कई वार्डो में भी दूषित पानी की शिकायतें आ रही है उसे गंभीरता से लिया जाए तथा सभी वार्डो की पानी सप्लाय करने वाली टंकियों की साफ सफाई करवाई जाए। इस अवसर पर पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी, पूर्व महापौर जयसिंह ठाकुर, चंर्द्रपालसिंह सोलंकी, विश्वजीतसिंह चौहान, दीपेश कानूनगो, हिम्मतसिंह चावड़ा, राहुल पंवार, संतोष मोदी, जाकीर उल्ला शेख, रूपेश कल्याणे, मोनू चौहान, नईम एहमद, अतुलसिंह, अक्षय बाली, महेन्द्र घारू आदी।

भारतीय स्त्री शक्ति संगठन द्वारा सावित्रीबाई फुले जयंती जागृति मेला सम्पन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय स्त्री शक्ति संगठन, देवास इकाई द्वारा सावित्रीबाई फुले जयंती के उपलक्ष्य में सावित्री जागृति मेला कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर (सीबीएसई), मुखर्जी नगर, देवास में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. राजश्री जोशी, मुख्य अतिथि के रूप में कल्पना जाधव तथा विशेष अतिथि मनोरमा सोलंकी एवं एडवोकेट मिथिलेश सोनी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ संघ-गीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रश्नोत्तरी एवं ब्लाइंड स्कूल की बालिकाओं द्वारा मधुर गीतों की प्रस्तुति के माध्यम से कार्यक्रम की शुरुआत आगे बढ़ी। संस्था की अध्यक्ष रमा यार्दी ने भारतीय स्त्री शक्ति की प्रस्तावना एवं परिचय प्रस्तुत किया। मुख्य वक्ता डॉ. राजश्री जोशी ने भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले के जीवन, योगदान एवं शिक्षा आंदोलन पर विस्तृत प्रकाश डाला। इसी क्रम में एडवोकेट मिथलेश सोनी ने मातृशक्ति की सामाजिक भूमिका को रेखांकित करते हुए संस्था के प्रयासों की सराहना की। महिला शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए शिक्षिकाओं सुनीता घुले एवं कविता जोशी का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय नन्ही बालिका कविता द्वारा सावित्रीबाई फुले की वेशभूषा में विशेष प्रस्तुति रही।

पुलिस ने पकड़ी हजारों की अवैध शराब की खेप

मुखबिर की सूचना पर दो आरोपी गिरफ्तार, लाखों का माल जब्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी पुलिस ने सोमवार रात अवैध शराब की एक बड़ी खेप पकड़ी है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने लगभग 48 हजार रुपए की अवैध शराब और 10 लाख रुपए का वाहन जब्त किया है।

लालघाटी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की बोलेरो निओ वाहन में भारी मात्रा में अवैध शराब लाई जा रही है। यह शराब राघवेल जोड़ के पास खाली की जानी थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी। मौके पर बोलेरो निओ क्रमांक एमपी 42 जेडए-3872 की डिक्की से शराब की पेटियां उतारते हुए दो युवकों को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम संजय पिता प्रहलादसिंह गुर्जर (26) निवासी टुंगनी और संजय पिता भोलाराम उर्फ सीताराम गुर्जर (28) निवासी अनखली बताए। वाहन चालक संजय पिता भोलाराम को बताया गया। वाहन की तलाशी के दौरान देशी प्लेन शराब की कुल 12 पेटियां बरामद की गईं। प्रत्येक पेटी में 50-50 क्वार्टर थे, जिससे कुल 600 क्वार्टर (प्रत्येक 180 एमएल) यानी 108 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त की गई। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 48 हजार रुपये है। इसके अलावा करीब 10 लाख रुपए कीमत का बोलेरो निओ वाहन भी जब्त किया गया। कुल जब्ती की कीमत लगभग 10 लाख 48 हजार रुपए आंकी गई है। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि आरोपियों के पास शराब रखने और परिवहन का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। पुलिस ने मौके पर वीडियोग्राफी कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। जब्त शराब के नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए हैं और प्रकरण दर्ज कर आगे की विवेचना की जा रही है।

चीलर नदी की सफाई के लिए खर्च होंगे 30 करोड़, नपा ने भेजी डीपीआर

बाहर से आने वाले अधिकारियों ने भी देखी चीलर की हालत, बताए बचाव के उपाय

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरपालिका ने शहर के बीच से बहने वाली चीलर नदी को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए एक बड़ी योजना तैयार की है। इसके लिए 30 करोड़ रुपए की डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाकर मध्य प्रदेश सरकार को भेजी गई है। मंगलवार को नदी की सफाई और उसमें गिरने वाले गंदे नालों को रोकने को लेकर विचार करने के लिए जल गंगा मिशन से सेवानिवृत्त अधिकारी ने भी नदी का निरीक्षण किया और इसके बचाव के उपाय बताए।

जल गंगा मिशन के सेवानिवृत्त अधिकारी देवेंद्रसिंह ढपौला को शाजापुर बुलाया गया था। नगरपालिका के बुलावे पर ढपौला ने चीलर नदी का निरीक्षण किया और पानी की जांच रिपोर्ट भी देखी। निरीक्षण के बाद ढपौला ने बताया कि फिलहाल चीलर नदी का पानी बहुत ज्यादा खराब नहीं है और इसे आसानी से साफ किया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि नदी में मिलने वाले गंदे नालों को सीवरेज लाइन से जोड़ा जाए, ताकि गंदा पानी सीधे नदी में न गिरे। इसके साथ ही घरों से निकलने वाले गंदे पानी को भी नदी में जाने से रोकने की योजना बनाई जाएगी।

शहर के लोगों से भी सहयोग करने की अपील की- अधिकारी के इन उपायों से चीलर नदी को दोबारा साफ और जीवित किया जा सकता है। ढपौला ने शहर के लोगों से भी सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग नदी में गंदा पानी न बहाएं और पॉलिथीन का इस्तेमाल बंद करें। सब्जी या सामान खरीदने जाते समय घर से कपड़े का थैला लेकर जाएं, इससे नदी में कचरा कम होगा। ढपौला ने बताया कि अभी चीलर नदी का पानी इतना गंदा नहीं है कि उसमें नहाया न जा सके, लेकिन अगर समय रहते गंदे नालों को रोक दिया गया तो नदी पूरी तरह स्वच्छ रह सकती है। नगरपालिका चीलर नदी को साफ और सुंदर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

सभी शासकीय कार्यालय पर हो विद्युत सज्जा, नई थीम पर बने झांकी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋजु बाफना की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के आयोजन की तैयारियों संबंध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर सुश्री बाफना ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह में निकाली जाने वाली झांकियों को महत्वपूर्ण योजनाओं की नई थीम पर तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर सुश्री बाफना ने 25 एवं 26 जनवरी 2026 को सभी शासकीय कार्यालयों के भवनों पर सायंकाल रोशनी करने, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण के संबंध में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पात्र व्यक्ति से ही ध्वजारोहण कराए। सरपंच की अनुपस्थिति में ग्राम पंचायत सचिव ध्वजारोहण करें। बैठक में डिप्टी कलेक्टर अंकिता पाटकर ने गणतंत्र दिवस 2026 पर कार्यक्रमों के आयोजन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों के दायित्वों से अवगत कराया। इस अवसर पर एसपी यशपालसिंह राजपूत, अपर कलेक्टर बीएस सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्कले, शुजालपुर राजकुमार हलदर एवं गुलाना आलोक वर्मा एवं डिप्टी कलेक्टर नेहा गंगारे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

जिले में राजस्व एवं पुलिस विभाग ने एक साथ सुनी नागरिकों की समस्याएं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद के मार्गदर्शन में जिले में अनुविभागीय कार्यालयों पर जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), तहसीलदार एवं थाना प्रभारी ने एक साथ संयुक्त रूप से सुनवाई कर तथा प्राप्त आवेदनों का त्वरित एवं सकारात्मक निराकरण करने के निर्देश दिये। जिले में प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में भूमि, रास्ता सहित अन्य विवाद संबंधित आवेदकों की पुलिस एवं राजस्व विभाग एक साथ सुनवाई करेंगे। जिससे आवेदनों का त्वरित निराकरण होगा। राजस्व विभाग एवं पुलिस एक साथ संयुक्त रूप से जनसुनवाई से प्रकरणों का त्वरित एवं सकारात्मक निराकरण किया जाएगा। कन्नौद में अनुभाग स्तर पर पुलिस विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में आवेदकों ने अपने आवेदन अनुविभागीय अधिकारी श्री कन्हैयालाल तिलवारी, एडिशनल एसपी श्रीमती सौम्या जैन, तहसीलदार अंजलि गुप्ता के समक्ष प्रस्तुत किए। अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधितों को दिए। जनसुनवाई में सीईओ जनपद कन्नौद सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे। अनुविभागीय कार्यालय बागली में राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जनसुनवाई की। जनसुनवाई में आवेदकों ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री शिवम यादव, अनुविभागीय अधिकरी (पुलिस) सुश्री श्रृष्टि भार्गव के समक्ष प्रस्तुत किए। आवेदनों पर सुनवाई करते हुए निराकरण के निर्देश संबंधितों को दिए। जनसुनवाई में तहसीलदार बागली पीहू कुरील, तहसीलदार हाटपीपल्या सोनम भगत, नायब तहसीलदार नीरज प्रजापति, थाना प्रभारी थाना बागली अभिनव शुक्ला, थाना प्रभारी थाना हाटपीपल्या दीपक यादव, थाना प्रभारी उदय नगर सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे। अनुविभागीय कार्यालय टोंकखुर्द में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में अनुविभागीय अधिकारी श्री संजीव सक्सेना, एसडीओ श्रीमती राठौर ने क्षेत्र से आए आवेदकों की समस्या सुन निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान थाना प्रभारी आलोक सोनी, नायब तहसीलदार रवि शर्मा सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे। इसी प्रकार अन्य अनुभागों में भी जनसुनवाई आयोजित हुई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, रास्ता विवाद, अतिक्रमण हटाने, अवैध कब्जा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना, जमीन के सीमाकंन, नामाकंन, बंटवारा, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन पर संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांच कर त्वरित सकारात्मक निराकरण के निर्देश दिए।

अवैध कालोनी पर कार्यवाही तो कम्पाउंडिंग के माध्यम से अनुज्ञा शुल्क जमा कर मकान होंगें वैध

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सभी प्राप्त टीएल शिकायतों का निराकरण समय पर हो। आयुक्त दलीप कुमार ने टीएल के सभी पत्रों के निराकरण हेतु सभी विभागों से संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आहूत कर प्रथक प्रथक टीएल मे प्राप्त शिकायतों पर चर्चा की तथा निराकरण के निर्देश दिये। वहीं आयुक्त ने विभागवार कार्यो की समीक्षा विभागीय अधिकारियों से की वहीं उर्जा संरक्षण मे किये गये कार्यो के तहत लगभग 8 लाख की प्रतिमाह बचत की जानकारी उपयंत्री पलक श्रीवास्तव ने आयुक्त को दी।आयुक्त ने एलईडी कलस्टर पर विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की जानकारी उपयंत्री पलक श्रीवास्तव से ली तथा इलेक्ट्रिक पोल्स की नम्बरिंग करने के साथ जिन पोलों पर लाईट नही है उनकी सूची तैयार करने हेतु कहा।

जिन गार्डनों मे पानी की टंकी रखकर पौधों मे पानी दिया जा सकता है उन गार्डनों की सूची दें

उद्यान विभाग से जानकारी लेते हुये आयुक्त ने विभागीय अधिकारी जगदीश वर्मा को सिवरेज का ट्रिटेड पानी पौधों तथा रोड डिवाईडर वाशिंग मे उपयोग करने तथा गार्डनों की सूची दिये जाने के निर्देश दिये।

स्पोर्टस पार्क सुन्दरता व मार्मिकता का आभास दिलाता है- हमारे लिये यूनिक है देवास शहर मे इन्ट्री (प्रवेश) को लेकर सडक के दोनो ओर स्थित स्पोर्टस पार्क सुन्दरता व मार्मिकता का आभास दिलाता है। पार्क के दोनों ओर चौराहा तथा स्ट्रीट लाईट पोल्स पर सुन्दरता बढाने के लिये रंगीन लाईट लगाने का प्लान तैयार करने हेतु विधुत विभाग प्रभारी, उपायुक्त श्रीमती खेडेकर को निर्देशित किया।

अवैध कालोनी पर कार्यवाही तो कम्पाउंडिंग के माध्यम से अनुज्ञा शुल्क जमा कर मकान होंगें वैध- निगम सीमा क्षेत्र मे बिना अनुमति निर्माण व अनुमति के विपरित बने भवनों के स्वामित्वों को सूचना पत्र जारी करने के निर्देशों के साथ कम्पाउंडिंग करने हेतु प्र. कार्यपालन यंत्री इंदुप्रभा भारती को निर्देश दिये।

हजरत दादा पीर इब्राहिम बाबा (र.अ.) का 10वां उर्स मुबारक

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक हजरत दरवेश दादा पीर इब्राहिम बाबा (रहमतुल्लाह अलैह) का 10वां उर्स मुबारक 6 एवं 7 जनवरी 2026 को कर्मचारी कॉलोनी स्थित कब्रिस्तान, देवास (मध्य प्रदेश) में अकीदत, और भाईचारे के माहौल में मनाया जा रहा है। उर्स के अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों के साथ लंगर एवं चादर जुलूस का आयोजन किया जाएगा। उर्स कमेटी के सदर इसरार भाई एवं दरगाह खादिम समीर बच्चा भाई ने जानकारी देते हुए बताया कि उर्स के पहले दिन 6 जनवरी, मंगलवार को नमाज़े असर के बाद परचम खुशाई की रस्म अदा की गई। इसके पश्चात नमाज़े ईशा के बाद हल्क़ा-ए-ज़िक्र का आयोजन हुआ तथा अकीदतमंदों के लिए लंगर का वितरण किया गया। आज 7 जनवरी, बुधवार को सुबह 10 बजे कुरानख्वानी का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद लंगर भंडारा होगा। नमाज़े जोहर के बाद नई आबादी चौराहे से चादर जुलूस निकाला जाएगा, जो कर्मचारी कॉलोनी स्थित हजरत दादा पीर इब्राहिम बाबा (र.अ.) की दरगाह के आस्ताने तक पहुंचेगा, जहां अकीदत के साथ चादर पेश की जाएगी। इसके बाद नमाज़े जोहर के पश्चात महफिल-ए-रंग का आयोजन होगा तथा नमाज़े मगरिब के बाद कुल की फातेहा अदा की जाएगी। उर्स कमेटी ने सभी धर्म प्रेमी नागरिकों से कार्यक्रम में शामिल होकर आपसी सौहार्द, भाईचारे और शांति का संदेश देने की अपील की है।

एसडीएम एवं तहसीलदार चायनीज मांजा विक्रय करने वालों पर कार्यवाही करें - कलेक्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन, संयुक्त कलेक्टर सुश्री अंशु जावला, एसडीएम देवास श्री अभिषेक शर्मा, डिप्टी कलेक्टर सुश्री ऋतु चौरसिया सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने ईई एमपीईबी को निर्देश दिए कि उज्जैन तिराहे पर लगे बिजली के पोल को शिफ्ट कर व्यवस्थित तरीके से लगाए, जिससे आवागमन में असुविधा नहीं हो। उन्होंने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिविल लाइन तिराहे पर व्यवस्थित आवागमन के लिए कार्य योजना बनाएं। शहर में लेफ्ट टर्न को व्यवस्थित करने का कार्य करें। देवास शहर में एबी रोड पर सौंदर्यीकरण के लिए अच्छेङ्कअच्छे पौधे लगाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने नरवाई प्रबंधन की समीक्षा कर निर्देश दिए कि फसल कटाई के लिए जिले में आने वाले हार्वेस्टर की सूची बनाएं। जिले में प्रत्येक हार्वेस्टर के साथ नरवाई प्रबंधन उपकरण लगाना अनिवार्य करें। जिले में 14 से 28 जनवरी तक आनंद उत्सव का आयोजन किया जाएगा। जिले की सभी नगर परिषद एवं ग्राम पंचायतों में आनंद उत्सव के तहत कार्यक्रमों का आयोजन करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा जिले में सासंद खेल महोत्सव का आयोजन 12 से 13 जनवरी 2026 को किया जायेगा। सासंद खेल महोत्सव के संबंध में सभी संबंधित अधिकारी आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में कर लें।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये कि 31 अक्टूबर के पूर्व के राजस्व प्रकरणों का 26 जनवरी तक निराकरण करें। सभी एसडीएम एवं तहसीलदार अपने-अपने क्षेत्र में चायनीज मांजा विक्रय करने वालों पर कार्यवाही करें। उन्होंने नापतौल, फूड एण्ड सैफ्टी एवं अन्य सभी जांच कार्यवाही वाले विभागों को निर्देश दिये कि लगातार कार्यवाही करें। उन्होंने निर्देश दिये कि भावांतर योजनांतर्गत किसानों की आईडी लेकर फर्जी तरीके से सोयाबीन विक्रय करने वालों पर कार्यवाही करें।

जल संचय अभियान के तहत अपलोड की जाने वाली फोटो को वेरिफाई करने के लिए दल का गठन करें। दल द्वारा वेरिफाई करने के बाद ही फोटो पोर्टल पर अपलोड करें। कलेक्टर श्री सिंह ने कन्नौद एसडीएम को निर्देश दिए कि लोहारदा में निर्मित स्कूल भवन में अब तक स्कूल शिफ्ट क्यों नहीं हुआ है, इसकी जांच करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में कितने ऐसे पूर्ण भवन है, जिनको विभागों द्वारा हैंडओवर नहीं लिया गया है। इसकी जानकारी भी दें। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी विभागों को निर्देश दिए पूर्ण भवनों को तत्काल हैंडओवर ले। भवन में कुछ कमियां है तो उन्हें शीघ्र पूरी करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने जल जीवन मिशन की समीक्षा कर निर्देश दिए हैं जिले में प्रगतिरत सभी नल जल योजना को गुणवत्तापूर्ण कार्य कर योजना को शीघ्र पूर्ण करें। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जिले में कही पर भी पीने के पानी के सोर्स के पास गंदा पानी तो नहीं मिल रहा है इसकी जांच करें।

लाड़ली बहना योजना से पात्र महिलाओं का लाभ बंद होना गंभीर विषय

पूर्व में SDM व DPO को दिया गया था आवेदन, अब जनसुनवाई में उठा मुद्दा

नेपानगर/ राजेश पटेल लारा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। नेपानगर नगरीय क्षेत्र में मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में पात्र महिलाओं का लाभ अकारण बंद होने का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। इस विषय को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि राजेश पटेल लारा द्वारा पूर्व में ही अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नेपानगर एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग को लिखित रूप में आवेदन देकर अवगत कराया जा चुका था, किंतु अब तक ठोस समाधान नहीं निकल पाया।

राजेश पटेल लारा ने बताया कि योजना के दो चरण में नेपानगर नगरीय क्षेत्र से 4698 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 4241 महिलाएँ पात्र पाई गईं। इसके बावजूद तकनीकी एवं प्रशासनिक त्रुटियों के कारण 29 महिलाओं के नाम समग्र से, 06 महिलाओं के नाम आधार से समग्र डिलीट, तथा 05 महिलाओं को बिना आवेदन किए ही परित्याग दर्शा दिया गया, जिससे उनका लाभ बंद हो गया।

इस गंभीर जनसमस्या को लेकर आज जनसुनवाई में प्रभावित लाड़ली बहनें – कुसुम पटेल, रेखा मुराई, नीता मुराई, मनोरमा पाण्डेय, मीठा बाई मुर्मू, गीता बाई, हमीदा शेख, ऊषा पाटिल, नेहा मोरे सहित अनेक बहनें उपस्थित रहीं। जनसुनवाई में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सृजन वर्मा एवं अपर कलेक्टर वीर सिंह चौहान की उपस्थिति में यह मामला प्रमुखता से रखा गया। अधिकारियों ने विषय की गंभीरता को समझते हुए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी लाड़ली बहनों के लाभ बंद होने के कारणों की जांच कर शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए तथा तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर पार्षद श्रीमती सपना पटेल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि लाड़ली बहना योजना महिलाओं के आत्मसम्मान और जीवन-यापन से जुड़ी योजना है, और जनता की समस्याओं को समझना एवं उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करना ही जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है। उन्होंने यह भी बताया कि वे एवं अन्य पार्षद साथी पहले ही महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्छरू कार्यालय में इस विषय को लिखित रूप में उठा चुके हैं।

राजेश पटेल लारा ने कहा कि आंदोलन उद्देश्य नहीं है, समाधान लक्ष्य है। यदि प्रशासनिक या तकनीकी त्रुटि के कारण पात्र महिलाओं का लाभ बंद हुआ है तो उसे शीघ्र सुधार कर बहनों को उनका अधिकार दिलाया जाना चाहिए।

प्रशासन द्वारा शीघ्र निराकरण के आश्वासन के बाद प्रभावित महिलाओं में समाधान की आशा जगी है।

हर जेब के लिए है ग्वालियर मेला... हर माल 10 रुपये में जैसी दुकानों से होती है खुशियों की खरीदारी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आकर्षक रोशनी में नहाए भव्य शोरूम और आधुनिक दुकानों के बीच ग्वालियर व्यापार मेला की असली आत्मा उन छोटी-छोटी दुकानों में बसती है, जहाँ कम कीमत में जरूरत और खुशी दोनों मिल जाती हैं। यही कारण है कि श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला केवल वैभव का प्रदर्शन नहीं, बल्कि आमजन के जीवन से जुड़ा एक जीवंत उत्सव बनकर उभरता है। लगभग 121 वर्षों की परंपरा को समेटे श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला समय के साथ बदला जरूर है।

अब मेले में बड़े इलेक्ट्रॉनिक, फर्नीचर और वाहनों के शोरूम सजते हैं। लेकिन हर माल 10 रुपये से लेकर हर माल 150 रुपये वाली दुकानों की चमक आज भी उतनी ही कायम है। इन दुकानों पर उमड़ती सैलानियों की भीड़ इस बात का प्रमाण है कि मेला आर्थिक रूप से सम्पन्न वर्ग के साथ-साथ सामान्य और कमजोर आय वर्ग की जरूरतों को भी समान सम्मान देता है। मेले में सजी हर माल 10 रुपये की दुकानों से सैलानी रूमाल, हेयर बैंड, रबर क्लिप, कंघे, चाय की छन्नी और बच्चों के खिलौने खरीदते नजर आते हैं। वहीं हर माल 20 रुपये की दुकानों पर पर्स, की-रिंग, प्लास्टिक टब, डलिया, गमले और डस्टबिन लोगों की पहली पसंद बने हुए हैं। इसी तरह हर माल 50 रुपये वाली दुकानों पर पूजा की थाली, गैस चूल्हा स्टैंड, चमचे, छलनी, टॉर्च, पानी की बोतल, टिफिन, किसनी और फ्राई पैन की खूब बिक्री हो रही है। इसके अतिरिक्त 100, 150 और 200 रुपये की दुकानों पर लोअर, गरम स्वेटर और जैकेट खरीदने वालों की भीड़ सर्दी की जरूरत और मेले की उपयोगिता दोनों को दर्शाती है। कहना गलत नहीं होगा कि ग्वालियर व्यापार मेला केवल खरीद-बिक्री का स्थान ही नहीं, बल्कि जनजीवन की जरूरतों, लोककला की सादगी और बाजार की आत्मा का सुंदर संगम है। यहाँ हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ है और शायद यही वजह है कि यह मेला पीढ़ियों से लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाए हुए है।

सीएम हैल्पलाइन की शिकायतें अटेण्ड न करना 19 अधिकारियों को भारी पड़ा

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीएम हैल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतें अटेंड न करना 19 अधिकारियों को भारी पड़ा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इन सभी अधिकारियों का तीन-तीन दिन का वेतन काटने के लिये अलग-अलग आदेश जारी किए हैं। यह कार्रवाई गत अक्टूबर माह में प्राप्त हुईं सीएम हैल्पलाइन की शिकायतों के आधार पर एल-1 स्तर के अधिकारियों के खिलाफ विधिवत नोटिस जारी कर की गई है। जिन 19 अधिकारियों का 3 ङ्क 3 दिन का वेतन काटने के आदेश दिए गए हैं, उनमें रीजनल मैनेजर संस्थागत वित्त प्रियंका बंसल, रवि रंजन, अफाक मंसूरी, प्रत्यूष श्रीवास्तव, अजय सिंह, देवेन्द्र पाल सिंह व शंकरानंद झा, नगर निगम के सीवर सेल के सहायक यंत्री के. सी. अग्रवाल, उप प्रबंधक विद्युत वितरण कंपनी आशीष कुमार रोशन, सहायक यंत्री विद्युत तानसेन नगर महेन्द्र सिंह कौशल, उप प्रबंधक विद्युत करहिया विपिन कुमार उइके, सहायक महाप्रबंधक संस्थागत वित्त नितेश कुमार सिन्हा, नोडल अधिकारी विक्रांत विश्वविद्यालय धीरज सेन, सहायक संपत्ति अधिकारी नगर निगम अजय जैन, मुख्य नगर पालिका अधिकारी पिछोर पियूष श्रीवास्तव, रीजनल मैनजर इण्डसंड बैंक संस्थागत वित्त सचिन गुजराती, पशु चिकित्सा अधिकारी मुरार डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा, आंचलिक प्रबंधक संस्थागत वित्त विकास रंजन व भवन निरीक्षक स्थायी अतिक्रमण नगर निगम छाया यादव शामिल हैं।

पाले से फसलों को बचाने के लिए किसान भाईयों को सामयिक सलाह

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शीत लहर व अत्यधिक ठंड के दौरान रबी फसलों को पाले से बचाने के लिये कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा किसान भाईयों को सामयिक सलाह दी गई है। थोड़े से प्रयास से कृषकगण पाले से फसलों की सुरक्षा कर सकते हैं। उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री रणवीर सिंह जाटव ने बताया कि पाले से बचाव के लिये रात्रि में खेत की मेड़ों पर लगभग 6 से 8 स्थानो पर कचरा तथा खरपतवार आदि जलाकर धुंआ करना चाहिए।

यह प्रयोग इस प्रकार किया जाना चाहिए कि धुआं सारे खेत में छा जाए तथा खेत के आसपास का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक आ जाए। इस प्रकार धुआं करने से फसल का पाले से बचाव किया जा सकता है। पाले की संभावना होने पर खेत की हल्की सिंचाई कर देना चाहिए। इससे मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है तथा नुकसान की मात्रा कम हो जाती है। सिंचाई बहुत ज्यादा न कर उतनी ही करनी चाहिए, जिससे खेत गीला हो जाए। रस्सी का उपयोग भी पाले से काफी सुरक्षा प्रदान करता है। इसके लिए दो व्यक्ति सुबह-सुबह (जितनी जल्दी हो सके) एक लंबी रस्सी को उसके दोनों सिरों से पकड़ कर खेत के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक फसल को हिलाते चलना है।

इससे फसल पर रात का जमा पानी गिर जाता है तथा फसल की पाले से सुरक्षा हो जाती है। इन दवाओं के छिड़काव से भी होती है पाले से सुरक्षा रबी फसल पर 8 से 10 कि.ग्रा. सल्फर डस्ट प्रति एकड का भुरकाव पाले से बचाव में लाभप्रद रहता है। इसके अलावा वेटेबल या घुलनशील सल्फर 200 ग्राम या ग्लूकोस पाउडर 500 ग्राम बनाकर अथवा प्रति थायो यूरिया 500 ग्राम या पोटेशियम सल्फेट (0-0-50) 200 ग्राम प्रति 200 लीटर पानी में घोल छिड़काव किया जा सकता है।

देपालपुर विधानसभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक 8 जनवरी को

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने एवं ग्राम पंचायत स्तर पर संगठन विस्तार को लेकर देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक अति महत्वपूर्ण बैठक 8 जनवरी, गुरुवार को आयोजित की जा रही है। यह बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस सहप्रभारी ऊषा नायडू एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेडे के नेतृत्व में संपन्न होगी। बैठक में देपालपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों के गठन, संगठन के विस्तार एवं मजबूती पर विस्तृत विचार-विमर्श और चर्चा की जाएगी। साथ ही इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में गंदा पानी पीने से 16 नागरिकों की मौत के मामले में गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। यह बैठक दोपहर 2 बजे से मालवा मैरिज गार्डन, बेटमा रोड, देपालपुर में आयोजित होगी। बैठक के पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के लिए सामूहिक भोजन की भी व्यवस्था रखी गई है। बैठक का आयोजन जिला कांग्रेस के बैनर पर हो रहा है।

मोतीसिंह पटेल, पूर्व अध्यक्ष (इंदौर सहकारी दुग्ध संघ) एवं जनपद पंचायत देपालपुर ब्लॉक अध्यक्ष राजेश बढ़वाया,सुनेर सिंह सोलंकी,मोहन चौधरी, सत्यनारायण जय ने देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के समस्त कांग्रेस परिवार के सदस्यों से इस बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर संगठन को मजबूती प्रदान करने का आग्रह किया है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह बैठक आगामी समय में संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा देने के साथ-साथ जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

जैन अलंकरण समारोह में विविध क्षेत्रों की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जैन रत्न अवार्ड्स 2026 का भव्य आयोजन इंदौर में संपन्न

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दैनिक बिजनेस दर्पण द्वारा आयोजित जैन अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन दिनांक 4 जनवरी 2026 को जाल सभागृह, इंदौर में किया गया। इस गरिमामय अवसर पर जैन रत्न अवार्ड्स 2026 के अंतर्गत समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया।

समारोह में बॉडी बिल्डर, शिक्षक, पत्रकार, समाजसेवी सहित अनेक क्षेत्रों की विशिष्ट प्रतिभाओं को मंच पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सकारात्मक कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना एवं नई पीढ़ी को प्रेरणा देना रहा।

इस अवसर पर दैनिक बिजनेस दर्पण के प्रधान संपादक हेमंत जैन की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में नागदा निवासी जीवनलाल जैन (चाय वाले) भी सम्मिलित हुए, जिन्हें समारोह में अतिथि के रूप में आमंत्रित किए जाने का अवसर प्राप्त हुआ, जिसे लेकर क्षेत्र में हर्ष एवं गौरव का वातावरण रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, पत्रकार एवं आमजन उपस्थित रहे।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि दैनिक बिजनेस दर्पण द्वारा आयोजित जैन अलंकरण समारोह समाज के लिए प्रेरणादायी पहल है। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान करना समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य है। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता, प्रेरणा और प्रतिभा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मैं इस सफल आयोजन के लिए आयोजकों को हार्दिक बधाई देता हूँ। ट्रस्ट के शिवम तिवारी, कृष्णा यादव, युवराज सिंह राठौर, मनीष गुप्ता, भावेश नाहर, स्वाति जैन, अंकित जैन एवं अन्य पदाधिकारियों व समाजसेवियों ने जीवनलाल जैन चायवालेकी इस उपालब्धि पर संयुक्त रूप से कहा–जैन रत्न अवार्ड्स जैसे कार्यक्रम न केवल प्रतिभाओं को सम्मानित करते हैं, बल्कि समाज में सेवा, परिश्रम और ईमानदारी के मूल्यों को भी सशक्त करते हैं। नागदा के जीवनलाल जैन जैसे साधारण जीवन जीने वाले व्यक्तियों को अतिथि के रूप में सम्मान मिलना यह दर्शाता है कि कर्म और सेवा ही सबसे बड़ी पहचान है।समारोह का समापन राष्ट्रहित, समाजसेवा एवं मानव मूल्यों के संकल्प के साथ किया गया।

देपालपुर विधानसभा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक 8 जनवरी को

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस संगठन को मजबूत करने एवं ग्राम पंचायत स्तर पर संगठन विस्तार को लेकर देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक अति महत्वपूर्ण बैठक 8 जनवरी, गुरुवार को आयोजित की जा रही है। यह बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, प्रदेश कांग्रेस सहप्रभारी ऊषा नायडू एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेडे के नेतृत्व में संपन्न होगी। बैठक में देपालपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों के गठन, संगठन के विस्तार एवं मजबूती पर विस्तृत विचार-विमर्श और चर्चा की जाएगी। साथ ही इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में गंदा पानी पीने से 16 नागरिकों की मौत के मामले में गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। यह बैठक दोपहर 2 बजे से मालवा मैरिज गार्डन, बेटमा रोड, देपालपुर में आयोजित होगी। बैठक के पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के लिए सामूहिक भोजन की भी व्यवस्था रखी गई है। बैठक का आयोजन जिला कांग्रेस के बैनर पर हो रहा है। मोतीसिंह पटेल, पूर्व अध्यक्ष (इंदौर सहकारी दुग्ध संघ) एवं जनपद पंचायत देपालपुर ब्लॉक अध्यक्ष राजेश बढ़वाया,सुनेर सिंह सोलंकी,मोहन चौधरी, सत्यनारायण जय ने देपालपुर विधानसभा क्षेत्र के समस्त कांग्रेस परिवार के सदस्यों से इस बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर संगठन को मजबूती प्रदान करने का आग्रह किया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह बैठक आगामी समय में संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा देने के साथ-साथ जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

कलेक्टर ने सरोद घर का किया अवलोकन

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने ग्वालियर के जीवाजीगंज में विख्यात सरोद वादक श्री अमजद अली खाँ द्वारा स्थापित सरोज घर/संगीत घर का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने सरोज घर में सुसज्जित विभिन्न प्रकार के पारंपरिक एवं आधुनिक वाद्य यंत्रों को बड़ी रुचि के साथ देखा तथा उनकी कलात्मक प्रस्तुति और संरक्षण की सराहना की।इस मौके पर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय भी उपस्थित थे। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि सरोज घर जैसे सांस्कृतिक केंद्र ग्वालियर की समृद्ध संगीत परंपरा और विरासत को सहेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने वाद्य यंत्रों के वैज्ञानिक रख-रखाव, उनके इतिहास और संगीत साधना से जुड़ी जानकारी को आमजन तक पहुँचाने के प्रयासों की प्रशंसा की। श्रीमती चौहान ने यह भी कहा कि ग्वालियर को संगीत की नगरी के रूप में पहचान दिलाने में ऐसे संस्थान प्रेरणास्रोत हैं, जहाँ नई पीढ़ी को भारतीय संगीत और वाद्य परंपरा से जोड़ने का सार्थक कार्य किया जा रहा है।

स्व. रामकिशन अहिनिया का मरणोपरांत नेत्रदान, दो नेत्रहीनों को मिलेगी नई रोशनी

जनसेवा हॉस्पिटल में सम्पन्न हुआ नेत्रदान, परिजनों को प्रदान किया गया प्रमाण पत्र

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में मरणोपरांत नेत्रदान के प्रति जागरूकता एवं समाजसेवियों की सक्रियता के चलते दिनांक 6 जनवरी को 78 वर्षीय स्वर्गीय रामकिशन अहिनिया निवासी आदर्श गांधीग्राम कॉलोनी, नागदा का मरणोपरांत नेत्रदान जनसेवा हॉस्पिटल, नागदा में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

जैन सोशल ग्रुप नागदा के नेत्रदान प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि लायंस क्लब ग्रेटर नागदा के पूर्व अध्यक्ष अजय गरवाल द्वारा नेत्रदानी के पुत्र अनुप अहिनिया से चर्चा के उपरांत परिजनों ने सहज रूप से नेत्रदान की सहमति प्रदान की।

गीता भवन न्यास, बड़नगर के नेत्रदान प्रभारी डॉ. जी.एल. ददरवाल के नेतृत्व में टीम सदस्य मनीष तलाच एवं परमानंद पंवार जनसेवा हॉस्पिटल बिरलाग्राम, नागदा पहुँचे, जहाँ टीम द्वारा नेत्रदान क्रमांक 901 तथा जैन सोशल ग्रुप नागदा का 51वाँ नेत्रदान सम्पन्न किया गया।

इस अवसर पर जनसेवा हॉस्पिटल के डॉ. हरिकिशन कोस्टा एवं अस्पताल स्टाफ का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में जैन सोशल ग्रुप सचिव प्रशांत नाहर, उत्कृष्ट अहिनिया, मोहित अजमेरा, गोविंद गरवाल, अमित अहिनिया, नरेंद्र गरवाल, आनंद चौहान सहित परिजन एवं इष्ट-मित्र उपस्थित रहे। नेत्रदान उपरांत गीता भवन न्यास एवं जैन सोशल ग्रुप द्वारा नेत्रदान के महत्व पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा स्व. रामकिशन अहिनिया को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर परिजनों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

जैन सोशल ग्रुप के सक्रिय सदस्य सी.ए. कमलनयन चपलोत ने बताया कि गीता भवन न्यास समिति, बड़नगर द्वारा नेत्रदान की यह सेवा पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जा रही है, जिससे दो जरूरतमंदों के जीवन से अंधकार दूर होकर उन्हें नई रोशनी प्राप्त होगी। उन्होंने नेत्रदान हेतु सहर्ष स्वीकृति देने पर परिजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर एवं निगम आयुक्त ने शांति नगर एवं शेख की बगिया का किया निरीक्षण

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने मंगलवार को ग्वालियर के शांतिनगर एवं शेख की बगिया में पहुँचकर सीवर समस्या के संबंध में निरीक्षण किया और नागरिकों से चर्चा की। सीवर समस्या के त्वरित निराकरण के लिये संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शांतिनगर एवं शेख की बगिया में सीवर समस्या के संबंध में प्राप्त सूचना पर मौके पर जाकर अवलोकन किया और निगम के अधिकारियों को सीवर समस्या के निराकरण के लिये तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सीवर समस्या का निराकरण मेन पॉवर एवं निगम की मशीनरी के माध्यम से तत्परता से कराया जाए। इसके साथ ही बस्ती की सीवर समस्या के स्थायी निदान के लिये भी कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शांतिनगर एवं शेख की बगिया में पेयजल वितरण व्यवस्था के संबंध में भी नागरिकों से चर्चा की। पेयजल वितरण लाइन में जहां भी लीकेज है उसे शीघ्र अतिशीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि क्षेत्र में भ्रमण के दौरान सीवर समस्या एवं पानी की लाइनों में लीकेज की जो भी शिकायत मिलती है उसका समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित कराएं। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने भी निरीक्षण के दौरान निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि बस्ती की सीवर समस्या के निदान हेतु तत्परता से कार्रवाई करें। मेन पॉवर के साथ-साथ निगम की मशीनरी का भी उपयोग कर समस्या का निदान कराएं।

कार्यालय नजूल एवं अनुविभागीय अधिकारी उज्जैन नगर,जिला उज्जैन (म.प्र.)

क्रमांक/एस.डी.एम.(नगर)/रीडर/2026/825 उज्जैन, दिनांक: 06/01/2026

/ / विज्ञप्ति / /

आवेदक मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन द्वारा अनुभाग उज्जैन नगर के ग्राम व कस्बा उज्जैन में स्थित सर्वे नम्बर 3683/1/1/1 रकबा 7.7540 हे. में से 1.7620 हे., सर्वे कमांक 3684 रकबा 0.8150 हे. में से 0.6605 हे. भूमि पर व्यवसायिक कॉम्पलेक्स निर्माण हेतु उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन को उक्त भूमि की आवश्यकता होने से भूमि आवंटित / हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

आवेदक संस्था / विभाग उक्तानुसार भूमि आबंटन/हस्तांतरण में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति समस्त आवश्यक दस्तावेजो सहित लिखित में आगामी पेशी दिनांक 22/01/2026 तक स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है।

उक्त निश्चित की गई समयावधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर विचार नही किया जावेगा।

यह विज्ञप्ति मेरे न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी की गई।

नजूल अधिकारी एवं
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
उज्जैन नगर,जिला उज्जैन (म.प्र.)

सरकारी योजनाओं से हजारों हितग्राहियों को मिला सीधा लाभ

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार द्वारा समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने के उद्देश्य से अनेक जनकल्याणकारी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लक्ष्य हर जरूरतमंद तक सीधा लाभ पहुँचाना है। अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं, बच्चों, बालिकाओं और कमजोर वर्गों को आर्थिक एवं सामाजिक संबल दिया जा रहा है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएँ ज़मीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू हो रही हैं और सरकारी सहायता से लाभार्थियों का जीवन स्तर निरंतर बेहतर हो रहा है।

महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याण के लिये महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत सीहोर जिले की 2 लाख 47 हजार 747 हितग्राही महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है। नवंबर 2024 तक की राशि का भुगतान सफलतापूर्वक किया जा चुका है, जिससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में बड़ी मदद मिली है। वहीं मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, जो वर्ष 2007 से संचालित है, अब तक 92 हजार 27 बालिकाओं को लाभान्वित कर चुकी है। इस योजना ने बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभाई है।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक जिले की 85 हजार 376 महिलाओं को लाभ मिला है, जिससे मातृत्व स्वास्थ्य एवं पोषण को मजबूती मिली है। इसके अतिरिक्त पी.एम. केयर फॉर चिल्ड्रन योजना के माध्यम से 4 हितग्राहियों को पोस्ट ऑफिस के जरिए प्रतिमाह 5500 रुपये की सहायता दी जा रही है, जिसका भुगतान सितंबर 2024 तक पूर्ण हो चुका है। मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल सेवा योजना के अंतर्गत 19 बच्चों को प्रतिमाह 5000 रुपये की सहायता प्रदान की गई है, जिससे महामारी से प्रभावित बच्चों को सुरक्षित भविष्य मिल सका है।

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना से 102 बच्चों को प्रतिमाह 4000 रुपये तथा मुख्यमंत्री बाल प्रायोजन (स्पॉन्सरशिप) योजना के अंतर्गत 484 बच्चों को प्रतिमाह 4000 रुपये की सहायता दी गई है। अगस्त 2024 तक की राशि का भुगतान पूरा किया जा चुका है। इन योजनाओं के माध्यम से सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि समाज के हर वर्ग की महिलाओं, बालिकाओं और जरूरतमंद बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना उसकी प्राथमिकता है।

कलेक्टर द्वारा चार आवेदकों को 5-5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आवेदक समस्त ग्रामवासी ग्राम पंचायत खेड़ा तहसील रामा द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत खेडा के अंतर्गत नाहारखोदरा फलिया से टिटोडी फलिया स्कूल तक वर्तमान में सड़क नहीं होने से ग्राम से मोरीपाडा तक चलकर जाना पड़ता है हमारे ग्राम में लगभग आबादी 250 से 300 इससे भी अधिक है। ग्राम बासियो को खाद, बीज व अनाज लाने ले जाने में भी काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ग्रामवासीयो की मांग है कि उक्त मार्ग पर पक्की सड़क बनायी जाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदिका श्रीमती निशा पति जितेन्द्र राय निवासी रोहित कॉलोनी वार्ड नं 2 राणापुर द्वारा बताया गया कि विपक्षीगण द्वारा प्रार्थिया की दुकान व जमीन पर अवैध कब्जा करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया।

आवेदक श्री वाला परमार निवासी नरवालिया तहसील झाबुआ द्वारा बताया गया कि प्रार्थी की निजी कृषि भूमि सर्वे नं 279 व 283 है विपक्षीगण द्वारा लड़ाई झगड़े करके अवैध कब्जा कर लिया गया है अवैध कब्जा हटाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक श्री खीमा पिता कलसिंह हटिला निवासी समोई तहसील राणापुर द्वारा बताया गया कि आवेदनकर्ता को तड़वी पद से हटने एवं उसकी जगह पोते को तड़वी पद देने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। आवेदक श्री पंकज सिंगाड़ निवासी ग्राम कालापिपल में द्वारा बताया गया कि सिंगाड़ फलिये में चार महीने से हेंड पम्प खराब होने से फलिये के राहवासियों को पानी पीने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है उक्त हेंड पम्प को ठीक करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया।

कलेक्टर द्वारा आवेदकों को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई- आवेदिका श्रीमती ताराबाई पति आनंदीलाल लोधा निवासी तारखेड़ी तहसील पेटलावद, आवेदिका अनिता पति कैलाश पंवार निवासी रूपगढ़ तहसील पेटलावद, आवेदक श्री पप्पू खुमसिंह निवासी बामनसेमलिया तहसील झाबुआ एवं आवेदक श्री गजराजसिंह झाला निवासी रामकृष्ण नगर झाबुआ ने कलेक्टर के समक्ष उपस्थित होकर आर्थिक सहायता हेतु आवेदन किया। कलेक्टर द्वारा आवेदकों को 5-5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई।

कलेक्टर द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को समस्याओं को समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। इस प्रकार विभिन्न विभागों से संबंधित जनसुनवाई में कुल 54 आवेदन आए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री सी. एस. सोलंकी, समस्त विभाग के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान के तहत 11320 पशुपालको से गृहभेंट की गई

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का द्वितीय चरण 17 दिसम्बर से संचालित किया जा रहा है। इस अभियान में जिले के सभी ग्रामों में पशु चिकित्सा क्षेत्राधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा ऐसे पशुपालकों से संपर्क किया जा रहा है, जिनके पास 5 से लेकर 9 तक गौवंशीय या भैंसवंशीय पशु हैं। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवा डॉ. हेमंत शाह ने बताया कि इस अभियान में पशु पालकों को नस्ल सुधार हेतु सेक्स सोर्टेड सीमन का उपयोग, पशु पोषण हेतु संपूर्ण आहार, साइलेज के उपयोग एवं पशुओं के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये टीकाकरण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

इस अभियान के सत्यापन के संबंध में उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवा डॉ. शाह ने विकासखण्ड खालवा के ग्राम खारकलां, संदलपुर और कालापाठ के पशुपालको से संपर्क कर अभियान के संबंध में जानकारी ली। साथ ही विकासखण्ड हरसूद में ग्राम मांजझड और बेडीयाव के पशुपालको से संपर्क कर अभियान के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवा डॉ. शाह ने बताया कि अभियान प्रारम्भ से अब तक 118 विभागीय कार्यकर्ताओं द्वारा कुल 11320 पशुपालको से गृह भेट देकर संपर्क कर पशुपालन की वैज्ञानिक तकनीको को अपनाने के लिए प्रेरित किया और पशुपालकों को पशुपालन से होने वाले आर्थिक लाभ के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

दिव्यांग पंचायत सचिव पद हेतु पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संचालक सह आयुक्त, पंचायतराज संचालनालय, भोपाल के निर्देशानुसार 01 दिव्यांग पंचायत सचिव के पद हेतु 10 दिसम्बर 2024 तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि उक्त पद हेतु प्राप्त आवेदनों की जाँच के लिए गठित जाँच समिति द्वारा सभी आवेदनों की सूक्ष्मता से जाँच कर पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की मेरिट सूची तैयार कर प्रस्तुत की गई है। मेरिट सूची के अनुसार कुल 167 आवेदनों में से 75 आवेदन अपात्र पाए गए हैं, जबकि 92 अभ्यर्थियों को पात्र घोषित किया गया है। पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की पृथक-पृथक मेरिट सूची कार्यालय कलेक्टर, जिला पंचायत, संबंधित जनपद पंचायत एवं तहसील कार्यालयों के सूचना पटल पर तथा जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित की जा रही है। यदि किसी अभ्यर्थी को पात्र अथवा अपात्र सूची के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो वह 15 जनवरी 2026 तक कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात किसी भी प्रकार की दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

गेल (इंडिया) लिमिटेड कम्प्रेसर स्टेशन झाबुआ में रक्तदान शिविर का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गेल (इंडिया) लिमिटेड ने 05 जनवरी 2026 को कम्प्रेसर स्टेशन झाबुआ में रक्तदान शिविर का आयोजन। इस शिविर का आयोजन सिविल अस्पताल झाबुआ और ज़ाइडस अस्पताल दाहोद की टीमों के सहयोग से किया गया। रक्तदान शिविर का औपचारिक उद्घाटन जीएम एवं OIC गेल झाबुआ श्री प्रभुद्ध मजूमदार द्वारा किया गया। शिविर के दौरान कुल 70 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

इस सामाजिक पहल का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त उपलब्ध कराना और समाज में रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना था। कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि रक्तदान एक महान कार्य है जो जीवन बचाने में सहायक होता

युवा संगम में युवाओं को मिलेगा रोजगार - एसडीएम

12 जनवरी को होगा रोजगार मेले का आयोजन 100 कंपनियां आएगी, 11 हजार युवाओं को रोजगार देने का रखा है लक्ष्य

राजगढ़/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसी बेरोजगार की मदद कर उसके रोजगार देना सबसे बडी इंसानियत होती है इसलिए सभी कर्मचारी एवं अधिकारी अपने-अपने स्तर से युवा संगम में 18 वर्ष से 35 वर्ष के युवाओं का हर हाल में पंजीयन कराकर उनको रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य करेंगे ताकि वे आर्थिक परेशानी से बच कर सक्षमता की और अग्रसर होंगे। यह बात अनुविभागीय (राजस्व) अधिकारी सारंगपुर श्री रोहित बम्होरे ने 12 जनवरी को होने वाले युवा संगम मेले की समीक्षा करते हुए विकासखण्ड के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक में कही।

उन्होंने कहा कि सारंगपुर में पहली बार 100 कंपनियां आ रही है। जिसमें करीब 11 हजार युवाओं को नौकरी का सुनहरा मौका मिलेगा। इसके लिए सभी अच्छे से प्रयास करेंगे तो सफलता निश्चित तौर पर मिलेगी। प्रत्येक ग्राम पंचायतें, स्कूल, महाविद्यालय, प्रायवेट सेक्टर के सभी शिक्षण संस्थान रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अभी से प्रारंभ कर अधिक से अधिक पंजीयन करें।

जनपद सीईओ श्री हेमेन्द्र गोविल ने कहा कि प्रत्येक पंचायत के सरपंच, जनपद सदस्य, सचिव, रोजगार सहायक एवं पंचायत के अन्य स्टॉप इस मेले का अधिक से अधिक पंजीयन कराकर बेरोजगार को रोजगार की और अग्रसर करेंगे क्योंकि युवाओं को मिलेगा रोजगार तभी आर्थिक मजबूती मिलेगी। सभी इसका प्रचार-प्रसार जरुर करें।

अनुविभागीय (राजस्?व) अधिकारी सारंगपुर श्री बम्होरे ने कहा कि सभी पंचायतें अपने अपने ग्राम के हैंडपंपों का संधारण सही करें। दूषित पानी का उपयोग न हो इसका विशेष ध्यान दिया जाए। कही पर खराब पानी हो तो तुरंत पीएचई विभाग को सूचना देकर उसका निदान किया जाए। हर हाल में ध्यान रखा जाए कि इंदौर जैसी घटना हमारे क्षेत्र में न हों।

11 जनवरी से शुरू होगा नवीन दुग्ध संकलन मार्ग

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में इंदौर दुग्ध सहकारी संघ (सांची) से सम्बद्ध दुग्ध संयंत्र बड़वानी एवं सेंधवा द्वारा जिले में दुग्ध संकल्न में वृद्धि एवं नवीन दुग्ध समितिया खोले जाने के परिपेक्ष्य में महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी इन्दौर दुग्ध संघ, महाप्रबंधक क्षेत्र संचालन, प्रभारी प्रबंधक क्षेत्र संचालक के संयुक्त प्रयास से विकासखण्ड पानसेमल में आगामी 11 जनवरी 2026 से एक नवीन दुग्ध संकलन मार्ग प्रारंभ किया जायेगा ।

12 गांवों में होगा बैठकों का दौर नवीन मार्ग के संचालन से पूर्व विभाग द्वारा क्षेत्र के 12 प्रमुख गांवों, मोयदा, दोदवाड़ा, चिखल्दा (वृन्दावन ग्राम), मतराला, पानसेमल, टेमला, निसरपुर, मोरतलाई, आमदा, जूनापानी, सावखड़की और बालझिरी में व्यापक दूध सर्वे और पशुपालकों के साथ बैठकें आयोजित की गईं।

इन बैठकों में पशुपालकों ने दुग्ध सहकारी समितियां खोलने के प्रति भारी उत्साह व्यक्त किया है। संकलन लक्ष्य और क्षमता विस्तार शुरुआत में इस मार्ग से प्रतिदिन 1200 से 1300 लीटर उच्च गुणवत्ता वाले दूध के संकलन की संभावना हैं आगामी समय में इस क्षमता को बढ़ाकर 3500 से 4000 लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में एक दुग्ध संकलन वाहन संचालित होगा, जो केन के माध्यम से दूध एकत्रित कर खेतिया स्थित निसरपुर बीएमसी (ठडब्) तक पहुँचाएगा। निसरपुर बीएमसी की क्षमता का होगा पूर्ण उपयोग खेतिया स्थित निसरपुर बीएमसी की कुल क्षमता 6000 लीटर है, जिसमें वर्तमान में 3000 लीटर दूध संकलित हो रहा है। इस नए मार्ग के शुरू होने से बीएमसी की शेष 3000 लीटर की क्षमता की भी पूर्ति हो सकेगी।

चिखल्दा में स्थापित होगी नई बीएमसी क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन की प्रचुर संभावनाओं को देखते हुए, वृन्दावन ग्राम (चिखल्दा) में निकट भविष्य में 1000 लीटर क्षमता की नई बीएमसी स्थापित करना प्रस्तावित है। विभाग का लक्ष्य है कि क्षेत्र के अधिक से अधिक गांवों को इस मार्ग से जोड़ा जाए और आवश्यकतानुसार भविष्य में नए मार्ग व बीएमसी की स्थापना की जाए ताकि पशुपालकों को उनके दूध का उचित मूल्य और बेहतर बाजार मिल सके।

कलेक्टर ने किया राजपुर ट्रेंचिंग ग्राउंड का किया निरीक्षण

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह द्वारा मंगलवार को राजपुर विकासखंड के भ्रमण के दौरान नगर के ट्रेंचिंग ग्राउंड निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की तैयारियों की समीक्षा की और ग्राउंड पर कचरा निपटान की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। प्रमुख निर्देश और अवलोकन 1. कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कचरा निपटान की पूरी प्रक्रिया स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के निर्धारित मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी 2. उन्होंने अपशिष्ट प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया, ताकि शहर से निकलने वाले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। 3. नगर परिषद के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सफाई व्यवस्था केवल निरीक्षण तक सीमित न रहे, बल्कि इसमें निरंतरता बनाए रखी जाए। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण को शत-प्रतिशत प्रभावी बनाने के निर्देश भी दिए गए। 4. कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर में श्त्तश् केंद्रों को सक्रिय करने के निर्देश दिए। 5. घरों और नालियों से निकलने वाले गंदे पानी (ग्रे-वॉटर) के प्रबंधन पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अपशिष्ट जल का सही प्रबंधन न केवल स्वच्छता के लिए जरूरी है, बल्कि जल स्तर सुधारने के लिए भी आवश्यक है।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक 7 व 8 जनवरी को

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक 7 एवं 8 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होगी। यह बैठक दोपहर 12 बजे से आयोजित की गई है। बैठक में क्षेत्रीय सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि बैठक में वन विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, बीज निगम, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, म.प्र. सड़क विकास निगम के निर्माण कार्यों की प्रगति, लोक निर्माण विभाग भवन तथा सड़क एवं पीआईयू व सेतु निर्माण के कार्यों, राष्ट्रीय जल जीवन मिशन पीएचई के कार्यों, जल निगम द्वारा जिले में किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

इसके अलावा बैठक में सांसद श्री पाटिल नर्मदा घाटी विकास के अन्तर्गत खण्डवा उद्वहन सिंचाई, सिंहाड़ा जावर तथा झिरन्या उद्वहन सिंचाई योजना एवं नर्मदा घाटी विकास सम्बंधी कार्यों की समीक्षा करेंगे। बैठक में मत्स्य विभाग व मत्स्य महासंघ के इंदिरा सागर जलाशय एवं ओंकारेश्वर जलाशय से सम्बंधित योजनाओं, जल संसाधन विभाग, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई, अक्षय ऊर्जा विभाग व म.प्र. विद्युत वितरण कम्पनी में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विकास कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी।

झाबुआ के शिल्पकारों की प्रतिभा एवं मेहनत को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है- कलेक्टर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन झाबुआ एवं ट्रायफेड के संयुक्त तत्वावधान में जनजातीय शिल्पकार नामिका मेला का आयोजन किया गया। नीति आयोग की ओर से जिले के लिए नामित सीपीओ श्री संदीप कुमार मिश्रा एवं कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में उक्त कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ।

ट्रायफेड भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत संस्था है, जो जनजातीय शिल्पकारों एवं स्व-सहायता समूहों को विपणन, ब्रांडिंग एवं बाजार से जोड़ने का कार्य करती है। ट्रायफेड द्वारा ट्राइब्स इंडिया ब्रांड के माध्यम से मेलों, प्रदर्शनियों, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म एवं आउटलेट्स पर जनजातीय उत्पादों के विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही प्रशिक्षण, पंजीयन, पैकेजिंग, प्रमाणन एवं विपणन सहयोग प्रदान कर शिल्पकारों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य किया जाता है।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीपीओ श्री संदीप कुमार मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। इनका सकारात्मक प्रभाव तभी दिखाई देगा, जब इससे शिल्पकारों एवं स्व-सहायता समूहों की आय में वास्तविक वृद्धि होगी। उन्होंने हितग्राहियों से आह्वान किया कि वे खुलकर प्रश्न पूछें और किसी भी प्रकार की हिचक को दूर करें।

सीपीओ ने कहा कि यदि ट्रायफेड द्वारा जिले में स्थायी प्रोक्योरमेंट सेंटर की स्थापना की जाती है, तो यह जनजातीय अर्थतंत्र के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि शिल्पकारों एवं संबंधित अधिकारियों को जोड़ते हुए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए, जिससे निरंतर संपर्क बना रहे और समय-समय पर आवश्यक सुझाव दिए जा सकें। साथ ही पैकेजिंग एवं प्रोसेसिंग से संबंधित जानकारी, एफएसएसएआई प्रमाणन तथा ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन के लिए मार्गदर्शन दिए जाने पर भी जोर दिया।

कलेक्टर नेहा मीना ने कहा कि जिले की जनजातीय संस्कृति एवं पारंपरिक उत्पादों को पहचान दिलाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस मेले के माध्यम से जिले के 25 से अधिक स्व-सहायता समूहों को प्रतिनिधित्व का अवसर मिला है। मेले में ट्राइबल ज्वैलरी, मिट्टी के बर्तन, झाबुआ की पारंपरिक गुड़िया सहित अन्य प्रसिद्ध उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। उन्होंने बताया कहा कि ट्रायफेड से अपेक्षा है कि उनके द्वारा जिले के शिल्पकारों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए तथा आवश्यक होने पर उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार हेतु विशेष प्रशिक्षण भी आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जिले में पिथोरा आर्ट की कार्यशाला के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाकर संबंधित समूहों ने सशक्त शुरुआत की है।

कलेक्टर ने कहा कि सभी उत्पादों एवं समूहों का पंजीयन सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। विपणन में सहायता के लिए ट्रायफेड की महत्वपूर्ण भूमिका है। गहन अध्ययन एवं निरंतर सुधार के माध्यम से झाबुआ के शिल्पकारों की प्रतिभा एवं मेहनत को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि जिले में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय उत्पादों की बिक्री पहले से होती रही है, लेकिन उन्हें नया आयाम देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। उन्होंने कहा कि जनजातीय शिल्पकार नामिका मेला स्थानीय उत्पादों को मंच प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है। झाबुआ की विशिष्ट पहचान स्थापित करने तथा शिल्पकारों की मेहनत को व्यापक स्तर तक पहुंचाने के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं।

ट्रायफेड भोपाल के विपणन अधिकारी श्री योगेश यादव ने कहा कि ट्रायफेड का मुख्य उद्देश्य जनजातीय भाई-बहनों को सशक्त विपणन मंच उपलब्ध कराना है। जनजातीय शिल्पकारों को इम्पैनल कर मेलों एवं प्रदर्शनियों के माध्यम से उनके उत्पादों को बाजार से जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि ट्राइब्स इंडिया के नाम से देशभर में 120 से अधिक आउटलेट्स संचालित हैं, जहां जनजातीय उत्पादों की बिक्री की जाती है। इसके अतिरिक्त ट्राइब्स इंडिया के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म सहित अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से भी मार्केटिंग में सहयोग दिया जाता है। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूह सीधे ट्रायफेड से जुड़कर विभिन्न जिलों एवं राज्यों में अपने उत्पादों के विपणन का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। प्रदर्शनी एवं मेलों में भाग लेने हेतु शिल्पकारों को ले जाने का व्यय ट्रायफेड द्वारा वहन किया जाता है।

आज उत्पादों का अवलोकन किया जा रहा है और जो उत्पाद विक्रय योग्य पाए जाएंगे, उन्हें तुरंत पंजीयन कर ट्रायफेड से जोड़ा जाएगा। पिथोरा आर्ट से जुड़े समूहों को शीघ्र जोड़ा जाएगा।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने किया औचक निरीक्षण

बड़ावदा प्रेस क्लब के सदस्यों के साथ किया दुर्घटना जोन का निरीक्षण

बड़ावदा/प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को नगर के पुलिस थाना पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा थाने का औचक निरीक्षण किया गया।इस अवसर पर नगर के आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी ली गई।साथ ही नगर के क्राइम को कम करने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गये।नगर के पुलिस जवानों को फरियादी के साथ अच्छे से व्यवहार करना व अपराधों पर अंकुश लगाने की सलाह दी।

पत्रकारों से चर्चा कर पुलिस बल बढ़ाने सीसीटीवी कैमरे को नगर के प्रमुख 16 पॉइंटों पर यथावत चालू करने के लिए जनसहयोग से चालू करने को निर्देशित किया गया।नगर को नशा मुक्त व सट्टा करने वाले सटोरियों पर अंकुश लगे उसके लिए योजना बनाने के लिए भी थाना प्रभारी स्वराज डाबी को निर्देशित किया गया।

नगर के दुर्घटना जोन पर गति अवरोधक के साथ पुलिस बल की तैनाती को भी प्रमुखता दिखाते जवान को तैनाती के लिए निर्देशित किया। राहगीर योजना को प्रमुखता से जन जन पहुंचाने के लिए भी दुर्घटना जोन पर पोस्टर लगाने को निर्देशित किया।

नगर के बस स्टैंड पर भी यातायात का दबाव अधिक होना व दुर्घटना जोन को देखने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक कुमार लाल ने भी निरीक्षण किया।नगर के तीन प्रमुख दुर्घटना जोन पर एहतियात के लिए जवानों को नियुक्त करने का निर्देश दिया।

त्वरित कोई घटना होने पर एंबुलेंस की व्यवस्था का जायजा लिया। एक घंटे से अधिक समय तक नगर के पुलिस थाने के साथ प्रमुख पॉइंट्स का औचक निरीक्षण किया।नगर सुरक्षा समिति की सक्रिय करने के लिए हर वार्ड से युवाओं को जोड़ने के लिए भी निर्देशित किया।

जनसुनवाई केवल आवेदन जमा करने का माध्यम नहीं, सुशासन का जीवंत उदाहरण - कलेक्टर

बडवानी / दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रति मंगलवार आयोजित होने वाली साप्ताहिक जनसुनवाई केवल आवेदन जमा करने का माध्यम नहीं, बल्कि सुशासन का एक जीवंत उदाहरण है। जिसका मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाओं और न्याय का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सुगमता से पहुँचे। अतः सभी विभाग प्रमुख और अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदन को पूरी गंभीरता से लेते हुए त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने मंगलवार कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में आयोजित जनसुनवाई के दौरान दिए। जनसुनवाई में मंगलवार कुल 60 आवेदकों ने आवेदन निराकरण हेतु आए। 1. किसान सम्मान निधि का दिया जाए लाभ अंचल तहसील के ग्राम बावडीया निवासी श्री बहादुर सिंह पिता हिम्मत सिंह में जनसुनवाई में पत्नी शान्तिबाई के नाम पर दर्ज कृषि पर अभी तक किसान सम्मान निधि की राशि प्राप्त नहीं होने की समस्या हेतु आवेदन दिया।इस पर जनसुनवाई कर रहे कलेक्टर ने उक्त आवेदन तहसीलदार अंजड़ को पात्रता की जांच कर राशि दिलाने हेतु निर्देशित किया। 2.संबल योजना की अनुग्रह राशि हेतु दिया आवेदन तहसील ठीकरी के ग्राम ब्राम्हणगाँव के निवासी श्री मंगल सिंह ने अपनी दिवंगत पत्नी के लिए संबल योजना के तहत अनुग्रह राशि दिलाने हेतु जनसुनवाई में आवेदन दिया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

कार्तिक मेला प्रांगण में पारदी-साठिया डेरों में खूनी संघर्ष, कई घायल

दो गुट भिड़े, शंकराचार्य चौराहा से मेला क्षेत्र तक फैला है अस्थायी ठिकाना, पुलिस वेरिफिकेशन पर सवाल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्तिक मेला प्रांगण में मंगलवार शाम करीब 6 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पारदी और साठिया समुदाय के डेरों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर जमकर मारपीट हो गई। दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों से हुए संघर्ष में कई लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही महाकाल थाना पुलिस और डायल-112 वाहन मौके पर पहुंचे और हालात को काबू में लिया।

उल्लेखनीय है कि बड़नगर रोड पर शंकराचार्य चौराहा से लेकर पूरे कार्तिक मेला प्रांगण को इन डेरों ने अस्थायी ठिकाने के रूप में बना रखा है। यहां बड़ी संख्या में संदिग्ध लोग रहते हैं, जिनका पुलिस वेरिफिकेशन भी नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार डेरों में रहने वाले लोग आए दिन शराब और अन्य नशे का सेवन करते हैं, जिसके चलते अक्सर विवाद और झगड़े की स्थिति बनती रहती है।

मंगलवार शाम भी दोनों गुटों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। मारपीट में घायल लोगों को एंबुलेंस और 112 वाहन की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और विवाद में शामिल लोगों को खदेड़कर मेला प्रांगण खाली कराया।

घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए दहशत का माहौल रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों को चेतावनी दी है और आगे किसी भी तरह की अव्यवस्था पर सख्त कार्रवाई की बात कही है। साथ ही, मेला क्षेत्र में रह रहे बाहरी लोगों के सत्यापन और निगरानी को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

सवालों के घेरे में पुलिस वेरिफिकेशन-

मेला प्रांगण में लंबे समय से डेरा जमाए हुए हैं पारदी व साठिया समुदाय के लोग

कई संदिग्ध लोगों का अब तक नहीं हुआ पुलिस सत्यापन

शराब और नशे के कारण बार-बार होते हैं विवाद

विक्रमादित्य शोध पीठ में सुमिरन कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ में सुमिरन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में शोधपीठ के अकादमिक निदेशक डॉ. रमन सोलंकी ने सुमिरन कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। जिसमें यह बताया गया कि अब हर माह पुरातत्व,ज्योतिष,कला,हिंदी साहित्य,अध्यात्म जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित परिचर्चा की जाएगी।

प्रथम वक्ता के रूप में तिलक राज सोलंकी ने चित्रकला में वाकणकर जी के योगदान को रेखांकित किया। द्वितीय वक्ता के रूप में डॉ. प्रीति पांडे ने कायथा उत्खनन के महत्वपूर्ण बिंदुओं को उजागर किया।

इसी क्रम में सम्राट विक्रमादित्य विश्वद्यालय के कुलगुरू प्रो. अर्पण भारद्वाज ने अपना उद्बोधन दिया और उन्होंने कहा कि पुरातत्व को जीवित रहने के लिए ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए। डॉ. विश्वजीत सिंह परमार ने वाकणकर जी का जीवनवृत्त का प्रस्तुत किया।डॉ. प्रशांत पुराणिक ने भीमबेटका की खोज के प्रमुख बिंदुओं को स्पष्ट किया। विख्यात पुराविद् डॉ. नारायण व्यास जी ने वाकणकर जी के साथ व्यतीत किए स्मरण साझा किए।

डॉ. आर. सी. ठाकुर ने वाकणकर जी के द्वारा प्रतिपादित कई तथ्य बताए साथ ही यह भी बताया कि 1985 में मुद्राओं की पहली प्रदर्शनी भी वाकणकर जी ने लगाई थी।

प्रसिद्ध अपराविद्याचार्य कैलाशपति नायक ने वाकणकर जी पर आधारित पुस्तक सदन में दिखाई जिसमें वाकणकर जी के एक पत्र का भी उल्लेख था। साथ ही डॉ. अंजना सिंह गौर,डॉ. रितेश लोट, डॉ. अजय शर्मा,डॉ. सर्वेश्वर शर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सदन में छात्र-छात्राओं में इंदिरा मालवीय, पूर्वा व्यास, अमित पीठवे आदि ने भी विचार व्यक्त किए।

तिल चतुर्थी पर सुबह चिंतामण गणेश को लड्डुओं का महाभोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज मंगलवार को माघ मास की तिल चतुर्थी पर चिंतामन गणेश मंदिर में भगवान को तिल गुड़ से बने पकवानों का महाभोग लगाया गया। वहीं बड़े गणेश मंदिर में भगवान बड़े गणेश का 118 वां स्थापना दिवस भी मना।

चिंतामण गणेश मंदिर के पुजारी पं. शंकर गुरु ने बताया आज तडके 4 बजे मंदिर के पट खुले। इसके बाद भगवान का मनोहारी श्रृंगार किया गया। भगवान को गुड़ तिल्ली से बने छप्पन प्रकार के पकवानों का महाभोग लगाकर आरती की गई। मंदिर में विशेष रोशनी भी की गई। आज दिनभर दर्शनार्थियों का तांता लगेगा। इसी तरह माघी तिल चौथ पर मंगलवार को भगवान बड़े गणेश का 118वां स्थापना दिवस मनाया मनाया जा रहा है। यहां सुबह 51 वेदपाठी बटुकों ने पाठ किया। इसके बाद भगवान को एक हजार दुर्वा व एक हजार लाल गुलाब के पुष्प अर्पित किए। दोपहर में हवन अनुष्ठान होगा। रात में भगवान को एक हजार 250 लड्डुओं का भोग लगाकर आरती की जाएगी। भक्तों को महाप्रसादी का वितरण होगा।

भस्म आरती में शामिल हुईं अभिनेत्री निमरत कौर... महाकाल दर्शन किए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फिल्म अभिनेत्री निमरत कौर मंगलवार सुबह उज्जैन पहुंचीं और महाकालेश्वर मंदिर में सुबह होने वाली भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की। भस्म आरती के दौरान मंदिर नंदी हॉल परिसर में अभिनेत्री निमरत कौर ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ आरती में सहभागिता की और गर्भगृह से भगवान महाकाल के दर्शन किए। दर्शन के बाद वे कुछ समय तक मंदिर परिसर में रुकीं और वहां की व्यवस्थाओं की सराहना भी की। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एस.एन. सोनी ने अभिनेत्री निमरत कौर का स्वागत एवं सत्कार किया। उल्लेखनीय है कि महाकालेश्वर मंदिर में देश-विदेश की नामचीन हस्तियां लगातार दर्शन के लिए पहुंचती रहती हैं।

कालभैरव मंदिर का बढ़ेगा दायरा, 154 करोड़ से होंगे कई काम

महाकाल के सेनापति के धाम को मिलेगा आधुनिक स्वरूप - श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन सुविधा का दावा

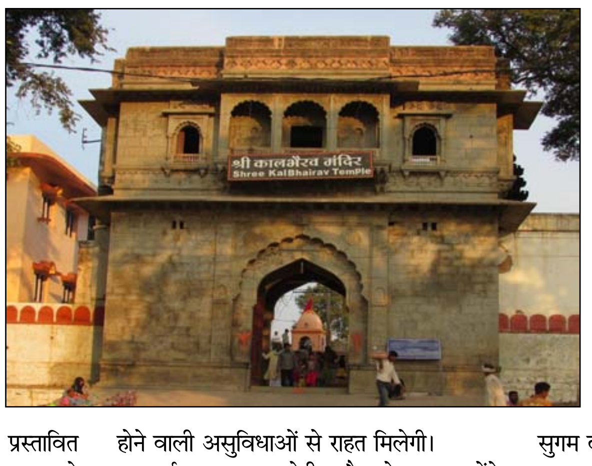

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल के सेनापति कहे जाने वाले भगवान कालभैरव के मंदिर का दायरा अब और बढ़ेगा। मंदिर के विकास को लेकर विकास प्राधिकरण ने प्रोजेक्ट को मंजूरी दी है। 154 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस प्रोजेक्ट का मास्टर प्लान भोपाल स्थित स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) द्वारा तैयार किया गया है। योजना में श्रध्दालुओं की सुविधा के अनेक कार्य होंगे।

उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी ने बताया कि प्रस्तावित योजना के तहत कालभैरव मंदिर परिसर का आगे से लेकर पीछे तक अलग-अलग चरणों में विकास किया जाएगा। इससे मंदिर परिसर का भौतिक विस्तार होगा और श्रद्धालुओं को दर्शन में होने वाली असुविधाओं से राहत मिलेगी।

दर्शन व्यवस्था होगी और बेहतर- उन्होंने बताया कि मास्टर प्लान के अनुसार, मंदिर परिसर में सुगम और सुव्यवस्थित दर्शन व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके अंतर्गत आधुनिक कतार प्रणाली, पर्याप्त प्रतीक्षालय, चौड़े और सुविधाजनक मार्ग, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे त्योहारों, विशेष पर्वों और भीड़भाड़ वाले दिनों में श्रद्धालुओं को सुचारू रूप से दर्शन कराए जा सकेंगे।

कालभैरव मंदिर विकास परियोजना एक नजर में-

परियोजना लागत- 154 करोड़ रुपये

मास्टर प्लान- स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), भोपाल

प्रमुख उद्देश्य- समग्र विकास और सुगम दर्शन व्यवस्था

प्रस्तावित सुविधाएं- बेहतर कतार व्यवस्था, प्रतीक्षालय, सुविधाजनक मार्ग, मूलभूत सुविधाएं

फायदा- श्रद्धालुओं को राहत, भीड़ प्रबंधन और भविष्य की जरूरतों की तैयारी

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्माणरत आईटी पार्क का निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने मंगलवार को शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के समीप निर्माणरत आईटी पार्क का निरीक्षण किया। इस दौरान एमपीआइडीसी के क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री राजेश राठौर एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान श्री राठौर द्वारा बताया गया कि आईटी पार्क के प्रथम फेज का कार्य तेजी से किया जा रहा है। दूसरे फेज के लिए टेंडर की प्रक्रिया हो चुकी है। प्रथम फेज में बनने वाला भवन जी प्लस-06 होगा।

कलेक्टर श्री सिंह द्वारा आईटी पार्क के प्रथम फेज में पार्किंग स्थल और प्रथम तल का अवलोकन किया गया। बताया गया कि प्रथम फेज दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। प्रथम फेज लगभग 46 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होगा। आईटी पार्क में कुल 04 फेज रहेंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने इसका व्यापक प्रचार प्रसार किए जाने के निर्देश दिए।

सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का काम 55 प्रतिशत पूरा

614.53 करोड़ रुपये का है प्रोजेक्ट - तालाब की क्षमता बढक़र हो जाएगी 51 एमसीएम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिप्रा नदी को पूरे साल प्रवाहमान बनाए रखने और सिंहस्थ 2028 के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का काम तेजी से चल हा है। 614.53 करोड़ रुपये की इस योजना का अब तक 54.60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। परियोजना के तहत बैराज निर्माण कार्य चल रहा है और प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद शिप्रा के प्रवाहमान रहने का दावा किया जा रहा है।

जल संसाधन विभाग के ईई मयंक सिंह ने बताया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का संरक्षण कर उसे शिप्रा में निरंतर प्रवाहित करना है। इसके लिए सिलारखेड़ी तालाब की क्षमता में बड़े स्तर पर विस्तार किया जा रहा है।

परियोजना पूरी होने के बाद तालाब की जलधारण क्षमता 5 एमसीएम से बढक़र 51 एमसीएम हो जाएगी। इससे त्रिवेणी घाट तक शिप्रा नदी में पूरे वर्ष जल उपलब्ध रहेगा और नदी सदानीरा बनी रहेगी।

जल परिवहन के लिए बिछाई जा रही लाइन

उन्होंने कहा कि परियोजना से जुड़े कई अहम कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जा रहा है। पंप हाउस की खुदाई का कार्य पूर्ण हो चुका है और वर्तमान में वहां कंक्रीट का काम चल रहा है। वहीं जल परिवहन के लिए बिछाई जा रही पाइप लाइनों के काम में भी गति आई है। राइजिंग मेन में कुल 5.5 किलोमीटर में से 4 किलोमीटर और ग्रेविटी मेन में 6.30 किलोमीटर में से 3.9 किलोमीटर पाइप लाइन बिछाई जा चुकी है।

परियोजना एक नजर में

कुल लागत- 614.53 करोड़ रुपये

अब तक पूर्ण कार्य- 54.60%

सिलारखेड़ी तालाब क्षमता- 5 एमसीएम से बढक़र 51 एमसीएम

राइजिंग मेन- 5.5 किमी में से 4 किमी पूर्ण

ग्रेविटी मेन- 6.30 किमी में से 3.9 किमी पूर्ण

शहरकाजी से परेशान सलमान, पुलिस भी मदद नहीं कर रही

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहरकाजी से परेशान सलमान ने पुलिस पर भेदभावपूर्ण कार्यवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई है।

सलमान पिता शकुर खान निवासी पुराने टाकिज के सामने कसाई चौक बड़नगर ने बताया कि हमारे बाप दादा मुनीर खा दिलावर खा की जमीन नगर पालिका में रूपये 10307 का टैक्स जमा कर के बंटवारे मे हमें जमीन मिली थी। वहां पर हम मकान बनाने के लिए साफ सफाई कर रहे थे उस टाइम इन लोगों ने नासीर उ?द्दीन शहर काजी वासिफ काजी जहिंन काजी और इनके गुंडे अपराधी लोग ने हमारे साथ काफी दादागिरी गुंडागिरी की यह संपति तू नहीं भूलेगा तो तेरा अंजाम बहुत बुरा होगा जब मेरी बीवी ने बोला कि हम तुम्हारी रिपोर्ट डाल देंगे तो मेरी बीवी से बोला कि महिलाओं के साथ अभद्रता की। मेरी बीवी के साथ वासिफ काजी ने छीना झपटी की

सलमान ने कहा नासीर उ?द्दीन शहर काजी की और गुंडे लोगों की वीडियो रिकॉर्ड सब मेरे पास मौजूद है और बड़नगर शहर काजी के घर के बाहर लगे कैमरे में भी बहुत सारे सबूत है जो काजी और काजी के गुंडे लोग हमें किस तरह से पटक पटक के मार रहे हैं और लेडिस के साथ छीना छपटी धक्का मुक्की कर रहे हैं।कई बार हमने थाने में रिपोर्ट लिखाने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने हमे भगा दिया। उज्जैन कलेक्टर ऑफिस में भी कई बार आवेदन दिया है। उज्जैन कंट्रोल रूम एसपी ऑफिस में भी कई बार आवेदन दिया है और जब उज्जैन से आवेदन बड़नगर आता है तो वहां की पुलिस साइन करवा लेती है बयान लेती है और हमारे नाम के उल्टा नोटिस निकालते है और कहते है कि शांति बनाए रखो। कुछ भी कार्रवाई नहीं करते जिसके कारण हमें खूब ज्यादा परेशानी और तकलीफ आ रही है और गुंडे लोग राजनीति और पैसे के दम पर दिन पर दिन हम पर हैवी होते हैं और झूठे कैसे में हमें ही फंसा देते हैं जिसका सबूत उनके पास कुछ भी नहीं है। मैं अपराधियों के खिलाफ 5/6 महीने से बड़नगर थाना उज्जैन कलेक्टर ऑफिस जनसुनवाई उज्जैन एसपी ऑफिस जनसुनवाई और बड़नगर थाने के पीछे जनसुनवाई में सब दूर मेरे बीवी बच्चे में भटक रहे हैं लेकिन कोई मदद नही मिल रही।

सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने सिंहस्थ निर्माण कार्यों की समीक्षा की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने मंगलवार दोपहर सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे अधोसंरचना विकास के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी श्री गोपाल डाड, जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट और मंदसौर जिला पंचायत सीईओ श्री अनुकूल जैन एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जल संसाधन विभाग के सेवरखेड़ी सिलारखेड़ी परियोजना की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि 6 में से एक 1 गेट निर्माणाधीन है। पंप हाउस के चैंबर के फाउंडेशन का निर्माण कार्य पूर्ण हो कर वॉल निर्माण का कार्य प्रगतिरत है। कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना में 6.9 किमी कट एंड कवर के कार्य में 3 किमी लेइंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। मई 2026 तक 6.9 किमी लेइंग का संपूर्ण कार्य पूर्ण हो जाएगा। जल संसाधन विभाग के सिंहस्थ डिवीजन ने जानकारी दी कि घाट निर्माण का कार्य 8 स्थानों पर चल रहा है। अभी तक 7.1 किमी में अपर रिटेनिंग वॉल का निर्माण हो चुका है। 2 बैराज अभी निर्माणाधीन है, उनमें से बैराज का 80त्न कार्य पूर्ण हो चुका है। बैठक में जानकारी दी गई कि जैसे-जैसे नदी में जल स्तर कम हो रहा है वैसे-वैसे लेबर की संख्या बढ़ाकर कार्य तेजी से किया जा रहा है।

कलेक्टर द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को शासकीय संकुल भवन के सभाकक्ष में विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई।

बड़नगर के ग्राम बालोदा हसन निवासी मदन सिंह ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि विगत 2017-18 तक के राजस्व अभिलेख में उन्हीं के नाम से दर्ज थी। लेकिन वर्ष 2018-19 से वर्ष 2020-21 तक उनकी भूमि का सर्वे नं त्रूटिवश विलोपित कर दिया गया है और राजस्व कंप्यूटर अभिलेख में दर्ज नहीं हुआ है। इसे शीघ्र अतिशीघ्र सही किया जाए। अन्यथा प्रार्थी को बहुत पेरशानी होगी। इस पर एसडीएम बडनगर को जांच कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उज्जैन निवासी संतोष धावरी ने आवेदन दिया कि वे पिछले 08 से 09 वर्षों से शासकीय पॉलिटेक्निक विद्यालय में सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत थे। उन्हें बिना किसी ठोस कारण के काम से निकाल दिया गया है। इस पर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

उज्जैन के ग्राम मंगरोला निवासी श्यामाबाई ने आवेदन दिया कि वे गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करती है तथा गांव में पिछले 30 वर्षों से निवासरत है अत- उन्हें शासन की ओर से आवासीय पट्टा दिलवाया जाए। इस पर तहसीलदार उज्जैन को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

घट्टिया के ग्राम बिछडोद निवासी गंगाबाई ने आवेदन दिया कि एक व्यक्ति द्वारा धोखाधडी पूर्वक उन्हें गोचर भूमि पर आवासीय पट्टा दिलवाए जाने की बात कर उनसे 10 हजार रुपए ऐंठ लिए गए तथा आज दिनांक तक न तो उन्हें पट्टा दिलवाया गया और ना ही उनकी राशि लौटाई गई है। प्रार्थियां द्वारा उनके रुपए लौटाने की मांग करने पर अनावेदक द्वारा उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस पर पुलिस अधीक्षक उज्जैन को मामले की जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

खाचरौद तहसील के ग्राम भाटखेडी निवासी गोविंद सिंह ने आवेदन दिया कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत उन्हें आवास निर्माण करने के लिए प्रथम किस्त प्राप्त हो गई थी। लेकिन आज दिनांक तक दूसरी और तीसरी किस्त उन्हें प्राप्त नहीं हुई है। इस वजह से उनका मकान अधूरा है तथा बारिश के मौसम में उन्हें बहुत परेशानी हो रही है। अत- उन्हें शीघ्र-अतिशीघ्र राशि दिलवाई जाए। इस पर सीईओ जनपद पंचायत खाचरौद को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार सीईओ जिला पंचायत, अपर कलेक्टर और अन्य अधिकारियों द्वारा भी विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई।

मातृत्व स्वास्थ्य के अन्तर्गत जिला स्तरीय मातृ मृत्यु समीक्षा बैठक सम्पन्न

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मातृत्व स्वास्थ्य अन्तर्गत जिला उज्जैन की मातृ मृत्यु की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन डॉ. अशोक कुमार पटेल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन के निर्देशन में दिनांक 06 जनवरी 2026 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन में किया गया। बैठक में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. संगीता पलसानिया, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जितेंद्र राजपूत, स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. भरत यादव, समस्त खण्ड चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री मनीष भद्रावले, जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर श्री अनस कुरैशी, समस्त बी.पी.एम., बी.सी.एम. सहित विभिन्न अधिकारी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित हुए।

बैठक में मातृ मृत्यु की समीक्षा की गई एवं आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्यवाही हेतु चर्चा कर मातृ मृत्यु को कम करने हेतु रणनीति बनाई गई। बैठक मे निर्देश दिए गए कि जिले में समस्त गभर्वती महिलाओं को निर्धारित समय पर ए.एन.सी. पंजीयन कर ए.एन.सी. जांच सेवाएं प्रदान करें। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को चिन्हांकन कर उनको प्रसव पूर्व पूर्ण प्रबंधन एवं पूर्ण निगरानी रखें। एनीमिक गर्भवती महिलाओं की भी विशेष निगरानी रख उनको आयरन सुकोज पूर्ण निगरानी में लगाई जाए। जिले के समस्त गर्भवती महिलाओं के पंजीयन के उपरांत उनको शासकीय संस्था में संस्थागत प्रसव हेतु निरन्तर समन्वय कर संस्थागत प्रसव करवाएं एवं संस्थागत प्रसव उपरांत उनको पूर्ण टीकाकरण भी सुनिश्चित करें।

जिला चिकित्सालय, चरक भवन में 10 बिस्तरीय बर्थ वेटिंग होम मे हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को भर्ती रख प्रबंधन एवं उपचार करने हेतु निर्देश दिए गए। जिले में होने वाली मातृ मृत्यु होने पर चौबीस घंटे में वरिष्ठ स्तर पर सूचित करने एवं इसका रिव्यू कर सुधारात्मक कार्यवाही करने एवं रिपोर्टिंग करने हेतु निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत् आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में भी गर्भवती महिला व हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को शिविर में उपस्थित करवाकर स्वाथ्य सेवाएं, उपचार व जांच की सेवा गुणवत्तापूर्ण उपलब्ध कराएं।